RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 60 ता. 26 अगस्त 2024, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

देश भर में आज मनेगी जन्माष्टमी, जबरदस्त तैयारी

● नंद के नंदन के जन्मोत्सव के लिए सज गए हैं मंदिर ● द्वापर युग जैसा बन रहा दुर्लभ संयोग, रहेगी बड़ी धूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार कल सोमवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। मथुरा-वृंदावन से लेकर पूरे देश में कन्हैया के जन्मोत्सव की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मंदिरों को बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया है। वैदिक पंचांग के अनुसार हर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भादो मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को पड़ती है। इस दिन भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव होता है। वहीं दिन भक्त भगवान की पूजा-अर्चना कर उनके नाम का उपवास रखते हैं, रात्रि के समय भगवान को स्नान आदि करा 56 भोग का प्रसाद लगाया

जाता है। वहीं इस दिन श्री कृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल के रूप में उनकी मूर्ति का पूजन करना शुभ होता है। इस बार जन्माष्टमी पर बहुत ही शुभ योग बन रहे हैं। जैसे योग भगवान कृष्ण के जन्म के समय बने थे वैसे ही योग इस बार भी बन रहे हैं। बता दें कि इस बार कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व 26 अगस्त सोमवार के दिन मनाया जाएगा। जन्माष्टमी भाद्रमास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाई जाती है और यह तिथि इस बार 26 अगस्त को है। इसके अलावा 27 अगस्त को भगवान कृष्ण के जन्म की खुशी में जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद अब म्यांमार पर संकट !

दुनिया भर की निगाह, भारत के पड़ोस में कुछ बड़ा होने वाला है

नेपीडॉ (एजेंसी)। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश के बाद अब म्यांमार में भी कूटनीतिक स्तर पर हलचल देखने को मिल रही है। साल 2021 से अनिश्चिचतता के माहौल में रह रहे म्यांमार की सेना जिस तरह विद्रोही गुटों के हाथों क्षेत्रों पर नियंत्रण खो रही है, उससे चीनी खेमे में निराशा का माहौल है।

दो दिन पहले ही जुंटा प्रमुख जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने चीनी एंबेसेडर मा जिआ के क्रेडेंशियल स्वीकार करने के दौरान कहा था कि म्यांमार चीन के साथ अपने रिश्तों को बहुत प्राथमिकता देता है। इससे पहले, अगस्त के दूसरे हफ्ते में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने म्यांमार का दौरा किया था और इस दौरे में उन्होंने कहा था कि वे जुंटा और विद्रोहियों के बीच हल निकालने की कोशिश के साथ साथ चुनाव कराने के लिए अपनी ओर से मदद भी देंगे। जिस वक्त चीनी प्रतिनिधिमंडल म्यांमार में था उसी वक्त अमेरिकी अधिकारी म्यांमार के विपक्ष से वॉशिंगटन डीसी में मिल रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

मिस इंडिया में एक भी दलित-आदिवासी नहीं: राहुल गांधी

रिजिजू ने कहा-

● बाल बुद्धि ब्यूटी पेजेंट्स में भी आरक्षण चाहते हैं, सरकार उन्हें नहीं चुनती

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मिस इंडिया कॉम्पिटिशन में दलित-आदिवासी महिलाओं की कमी वाले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान की आलोचना की। रिजिजू ने रविवार को कहा कि राहुल मिस इंडिया में भी आरक्षण चाहते हैं। ये सिर्फ बाल बुद्धि की दिक्कत नहीं है। जो लोग उनकी जय-जयकार करते हैं, वे भी उतने ही जिम्मेदार हैं।

दरअसल, नेता प्रतिपक्ष राहुल ने 24 अगस्त को प्रयागराज में कहा कि मैंने मिस इंडिया की लिस्ट चेक की। इसमें कोई दलित, आदिवासी या ओबीसी कम्युनिटी की महिला नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि देश सुपर पावर बन गया। कैसे सुपर पावर बन जाएगा। 90 फीसदी लोग सिस्टम से बाहर बैठे हैं। राहुल के बयान पर रिजिजू ने कहा- बाल बुद्धि मनोरंजन के लिए अच्छी हो सकती है, लेकिन राहुल अपनी विभाजनकारी बातें से हमारे पिछड़े समुदायों का मजाक न उड़ाएं।

बीजेडी के आधार को कमजोर करने की कोशिश में बीजेपी

● सुभद्रा योजना से महिलाओं को साध रही ओडिशा की माझी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा में बीजेपी पहली बार सत्ता में आई है। अब वह पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के गढ़ में सेंधमारी का प्रयास कर रही है। ओडिशा में भाजपा सरकार ने महिलाओं के उद्देश्य से दो फैसले लिए हैं। बीजेपी का उद्देश्य बीजू जनता दल (बीजेडी) के मूल समर्थन आधार को तोड़ने और महिलाओं का वोट बैंक बनाने के इरादे का

संकेत देते हैं। सबसे पहले 15 अगस्त को सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में कामकाजी महिलाओं के लिए एक दिन की मेंस्ट्रुअल लीव की घोषणा की गई। मेंस्ट्रुअल लीव को लागू करने वाला ओडिशा तीसरा राज्य बन गया है। इसके बाद 22 अगस्त को सरकार ने बहुप्रचारित सुभद्रा योजना के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं की घोषणा की। बीजेपी का ये वादा चुनाव के दौरान महिला मतदाताओं के बीच काफी चर्चित था। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में इस योजना के तहत सभी महिलाओं को 50,000 रुपये का वाउचर देने का वादा किया था।

महिलाओं के खिलाफ अपराध माफी योग्य नहीं

दोषी बचने नहीं चाहिए

जलगांव में पीएम मोदी बोले-सरकारें आती जाती रहेंगी, नारी सम्मान की रक्षा हमारा दायित्व

जलगांव (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्व-सहायता समूहों को 5 हजार करोड़ रुपए का लोन जारी किया। साथ ही 11 लाख लखपति दीदियों को सर्टिफिकेट भी दिया। प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की तारीफ करते हुए कहा- पिछले 70 साल में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जितना काम विपक्ष के लोगों ने नहीं किया, उतना हमने 10 साल के कार्यकाल में कर दिखाया। यह सिलसिला अभी और तेजी से आगे बढ़ेगा। पीएम ने देशभर में हो रही रेप की घटनाओं पर चिंता जताई। कोलकाता में महिला डॉक्टर, बदलापुर में दो बच्चियों के यौन शोषण समेत देशभर में हो रही घटनाओं का बिना नाम लिए उन्होंने कहा- आज देश का हर राज्य अपनी बेटियों की पीड़ा और गुस्से को समझ रहा है। मैं देश के हर राजनीतिक दल और राज्य सरकार से कहूंगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य है। दोषी कोई भी हो उसे बचना नहीं चाहिए। सरकारें आती जाती रहेंगी। नारी के सम्मान और गरिमा और उनके जीवन की रक्षा का दायित्व हमारा है।

मोदी सरकार 3 करोड़ घर बहनों के नाम पर ही रजिस्टर कराएगी

पहले महिलाओं को छोटा-मोटा लोन नहीं मिल पाता था। फिर आपके इस भाई ने संकल्प लिया कि आपकी इस मुश्किल को कम करके रहूंगा। फिर मोदी सरकार ने एक के बाद एक महिला हित में निर्णय लिए। मैं चुनौती देता हूं पिछली सरकारों के 7 दशक एक तराजू में एक तरफ रख लीजिए। और दूसरी तरफ मोदी सरकार के दस साल रख दीजिए। हमने इतना काम बहन बेटियों के लिए किया जितना किसी सरकार ने नहीं किया है। हमने तय किया है महिलाओं के लिए जो घर बनाती है उनमें से ज्यादातर घर माताओं बहनों के नाम हों। अभी तक जितने घर बने हैं उनमें यही नियम अपनाया है। आगे 3 करोड़ घर बनने है, उसमें भी यही प्रक्रिया अपनाएंगे। यहां मौजूद हर बहन बेटी अच्छी तरह जानती है कि जब वो कमाने लगती है तो कैसे उसका अधिकार बढ़ जाता है। उसका सम्मान बढ़ जाता है। जब किसी बहन की कमाई बढ़ती है तो परिवार के पास खर्च करने के पैसे बढ़ जाते हैं। एक बहन का लखपति बनना पूरे परिवार के लिए अच्छा होता है। यहां आने से पहले मैं कुछ लखपति दीदियों से मिला।

बेटियों के लिए समाज में नई सोच का निर्माण होगा

अब हम बहनों को लोन पायलट बना रहे हैं। हम उन्हें लाखों रुपए का ड्रोन दे रहे हैं ताकि वे इससे खेती में किसानों की मदद कर पाएं। पशु सखियों को ट्रेनिंग दे रहे हैं ताकि वे पशुपालकों की मदद कर पाएं। इतना ही नहीं आधुनिक खेती के लिए भी नारियों को कृषि सखियां बना रहे हैं। ऐसी लाखों कृषि सखियां बनाने में आगे बढ़ रहे हैं।

इससे उनका आत्म विश्वास बढ़ेगा। उनके लिए समाज में नई सोच का निर्माण होगा। दस साल में दस करोड़ बहनें इस अभियान से जुड़ चुकी है। हमने इनको बैंकों से जोड़ा है। हमने उन्हें बैंकों से आसान और सस्ता ऋण दिया है। मैं आपको आंकड़ा देता हूं आप चौंक जाएंगे कि मेरा देश ऐसे भी चलता था। साल 2014 तक 25 हजार करोड़ रुपए से भी कम बैंक लोन सखी मंडलों को मिला था। याद रखिए, पिछले दस साल में करीब 9 लाख करोड़ रुपए की मदद दी गई है। कहां 25 हजार करोड़ और कहां 9 लाख करोड़। इतना ही नहीं सरकार जो सीधी मदद देती है। उसका परिणाम मिला है। आज गांव की बहनें अपनी आय बढ़ा रही हैं। परिवार और देश मजबूत बना रही हैं। मैं अभी भी कहता हूं कि ये तो अभी ट्रेलर है।

बदल सकती है हरियाणा में वोटिंग और काउंटिंग की डेट !

● बीजेपी और इनेलो की मांग पर चुनाव आयोग कर रहा विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अब जब कुछ ही हफ्ते रह गये हैं, तब बीजेपी और इंडियन नेशनल लोकदल ने मतदान और मतगणना तिथियों को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया है। निर्वाचन आयोग को लिखे पत्र में दोनों दलों ने चुनाव तिथि से पहले और बाद में छुट्टियों का हवाला देते हुए कहा है कि इससे मतदान में

गिरावट आने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग इसको लेकर जल्द फैसला करेगा। मंगलवार तक इस पर अपना फैसला बता सकता है। मतदान और मतगणना तारीखों को बदलने की मांग पर कांग्रेस ने पलटवार किया है।

कमांडर की हत्या का बदला

हिजबुल्लाह का इजरायल पर जबरदस्त पलटवार

● 150 रॉकेट और ड्रोन हमले से कनफ्यूज हुआ आयरन डोम

तेल अवीव (एजेंसी)। लेबनान के आतंकी समूह हिजबुल्लाह ने इजरायल पर बड़ा ड्रोन और रॉकेट हमला किया है। इससे कुछ देर पहले इजरायल ने हिजबुल्लाह को निशाना बनाते हुए लेबनान में कई इलाकों पर अटैक किया था। इजरायल पर हमले के बाद लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने बेरूत में मारे गए अपने कमांडर फुआद शुकर की हत्या का बदला लिया है। हिजबुल्लाह ने कहा कि इस हमले में इजरायली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है। हमले कहां हुए हैं इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। हिजबुल्लाह ने कहा कि वह इजरायली सेना के बैरकों और आयरन डोम को टार्गेट कर रहा है। हिजबुल्लाह कहा कि हमला पिछले महीने बेरूत के दक्षिणी इलाके में मारे गए टॉप कमांडर फुआद शुकर की हत्या का बदला लेने का पहला चरण है। ज्यादातर इजरायल के उत्तर की ओर टार्गेट किए गए।

उफान पर नदियां, पानी-पानी हुए गांव और शहर

● झमाझम बारिश से बेहाल हुआ आधा भारत, जीना हुआ मुहाल ● एमपी में दिखा नर्मदा और क्षिप्रा का रौद्र रूप, घाट व मंदिर डूबे

● हिमाचल में 73 सड़कें बंद, लोगों का आना-जाना हुआ मुश्किल ● यूपी के बलिया में पीपा पुल बहा, दो लोगों की डूबने से हुई मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 21 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। प्रदेश की दो प्रमुख नदियां (नर्मदा और क्षिप्रा) उफान पर हैं। उज्जैन में कई घाट और मंदिर क्षिप्रा नदी में डूब गए हैं। हिमाचल प्रदेश के बारिश के चलते 73 सड़कें बंद कर दी गईं। इनमें से 35 शिमला में, 20 मंडी में, 9 कांगड़ा में, 6 कुल्लू में, 2 किन्नौर में और 1 ऊना जिले में बंद हैं। इधर, यूपी के बलिया में सरयू नदी में पीपा पुल बह गया। लखीमपुर खीरी में नाले में 2 युवक डूब गए। इसमें से एक की मौत हो गई। आज राजस्थान के 4 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट है। केंद्र ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में 27 जून को मानसून सीजन की शुरुआत से लेकर

शुक्रवार तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 140 लोगों की जान गई है और राज्य को लगभग 1,212 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। बिहार के भागलपुर में जल संसाधन विभाग के चीफ इंजीनियर इंस्पेक्शन के दौरान गंगा में बह गए। हालांकि उन्होंने लाइव जैकेट पहन रखी थी, इसलिए वे डूबे नहीं। उनके साथ एनडीआरएफ टीम भी थी। नदी में रस्सी फेंककर उन्हें बोट पर वापस लाया गया।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शनिवार को बताया कि भारी बारिश के चलते राज्य में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है और दो लोग लापता हैं। उन्होंने कहा कि 19 अगस्त से जिस तरह की बारिश हो रही है, वैसी मूसलाधार बारिश पहले कभी नहीं देखी है। त्रिपुरा के सभी 8 जिलों पर इसका असर पड़ा है।

फरवरी 2025 में अंतरिक्ष से लौटेंगी सुनीता विलियम्स

नासा ने कहा-स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से होगी वापसी, 80 दिन से स्पेस में फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुश विलमोर फरवरी 2025 में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से धरती पर लौटेंगे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। नासा ने आखिरकार यह मान लिया कि स्पेस पर फंसे दोनों एस्ट्रोनॉट को बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल में लाना खतरनाक हो सकता है। जबकि दोनों अंतरिक्ष यात्री 5 जून को इसी स्पेसक्राफ्ट से स्पेस भेजे गए थे। ये स्टारलाइनर कैप्सूल की पहली उड़ान थी। नासा ने बताया कि सुनीता और बुच विल्मोर फरवरी में इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से लौटेंगे। वहीं,

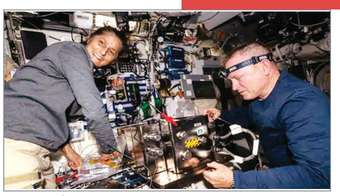

स्टारलाइनर कैप्सूल एक या दो हफ्ते में आईएसएस से अलग होकर ऑटो पालयलट मोड पर वापस आने की कोशिश करेगा। सुनीता और बुच विल्मोर को लाने की वजह से सितंबर में स्पेस जाने वाले मस्क के स्पेसक्राफ्ट में इस बार चार की जगह दो ही अंतरिक्ष यात्री होंगे। नासा के अधिकारी बिल नेल्सन ने कहा, बोइंग का स्टारलाइनर बिना चालक दल के धरती पर वापस आएगा। सुनीता और विल्मोर को 13 जून को वापस आना था, लेकिन स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी खराबी के कारण उनकी वापसी टल गई थी। नेल्सन ने अंतरिक्ष यात्रा के खतरों को लेकर कहा, अंतरिक्ष की उड़ान जोखिमपूर्ण है, यहां तक कि अपने सबसे सुरक्षित और सबसे सटीक समय पर भी। टेस्ट फ्लाइट को पूरी तरह सुरक्षित नहीं मान सकते हैं। उन्होंने कहा, बुच और सुनीता को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रखने और बोइंग स्टारलाइनर को बिना चालक दल के वापस लाने का फैसला उनकी सुरक्षा के प्रति हमारे कमिटमेंट का नतीजा है। नेल्सन ने बताया कि हमने स्टारलाइनर के डिजाइन को सुधारना और इसमें आई खराबी के मूल कारणों को समझना चाहते हैं। इससे होगा कि बोइंग स्टारलाइनर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाने के लिए महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकेगा।

मार्च 2026 तक देश से खत्म हो जाएगा पूरा नक्सलवाद

अमित शाह ने कहा-रूथलेस रणनीति से वामपंथी उग्रवाद पर होगा अंतिम प्रहार, छत्तीसगढ़ में बना एक्शन प्लान

रायपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म करने की बात कही है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में शनिवार को वामपंथी उग्रवाद पर उन्होंने समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने कहा कि, अब समय आ गया है कि वामपंथी उग्रवाद की समस्या पर एक मजबूत रणनीति के साथ रुथलेस रणनीति के साथ अंतिम प्रहार किया जाए। समीक्षा बैठक में 7 राज्यों अफसरों के साथ शाह ने करीब 4 घंटे तक बातचीत की। मीटिंग में अलग-अलग राज्यों के सीआरपीएफ, पैरा मिलिट्री फोर्स के चीफ और राज्य सरकार के सचिवों को बुलाया गया था। बैठक के बाद शाह ने कहा कि, वामपंथी उग्रवाद लोकतंत्र व्यवस्था के लिए चैलेंज है। अमित शाह ने बताया कि, आज की मीटिंग में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कुछ फैसले लिए हैं। जो लोग वामपंथी उग्रवाद के लंबे समय के प्रभाव के कारण निरक्षर रह गए हैं, उनको साक्षर बनाया जाएगा। चाहे उनकी आयु कोई भी हो। इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार और भारत सरकार का गृह मंत्रालय

एक अभियान चलाएगा। साथ ही शाह ने कहा कि, तेंदूपत्ता की खरीदी की पॉलिसी में भी हम परिवर्तन करेंगे और इसके साथ-साथ ही इसे ताकतवर बनाएंगे। जो दोष सिद्धी का प्रमाण है उसे भी बढ़ाएंगे।

कांग्रेस अपने चुनावी वादों, खासकर पेंशन के वादे कब पूरे करेगी? : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने सवाल किया है कि कांग्रेस अपने चुनावी वादों, खासकर पेंशन के वादे कब पूरे करेगी?

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कानून विभाग का कार्यभार संभाल चुके रविशंकर प्रसाद ने कहा, मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं, क्या उनकी सरकार ने हिमाचल प्रदेश में वादे के अनुसार पुरानी पेंशन योजना को लागू किया है? पूर्व मंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी पेंशन के बारे में अपने आश्वासन के स्पष्ट झूठ से इतनी चिंतित हो गई है कि वह इसे लोकसभा चुनाव में अपने घोषणापत्र का हिस्सा बनाने का साहस नहीं जुटा पाई।

उन्होंने कहा, भारत पर शासन करना एक गंभीर काम है। कांग्रेस पार्टी सिर्फ वोट बटोरने के लिए घोषणाएं करती है और अब जनता का उसके फैसलों पर भरोसा खत्म हो गया है।

एकीकृत पेंशन योजना में 2004 से पहले की पुरानी पेंशन योजना की अधिकांश विशेषताएं बरकरार हैं। इसमें सरकारी कर्मचारियों को उनके अंतिम प्राप्त मूल वेतन का 50 प्रतिशत आजीवन मासिक लाभ के रूप में देने का आश्वासन दिया गया है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार की ओर से सन 2004 में शुरू की गई नई पेंशन योजना के तहत पेंशन भुगतान सरकार और कर्मचारी द्वारा किए गए योगदान से जुड़ा था। उस समय अधिकांश विपक्षी दलों की सत्ता वाले राज्य इसके खिलाफ थे। पांच राज्यों ने पुरानी पेंशन योजना को चुना था। कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना में कोई योगदान नहीं दिया। इसके लिए विभिन्न कर्मचारी संगठन अभी भी लड़ रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि यह सरकार यू-टर्न वाली सरकार है। केंद्र सरकार की ओर से यूनिफाइड पेंशन स्कीम को मंजूरी दिए जाने के बाद खरगे ने यह बात कही थी। यूपीएस के तहत सुनिश्चित पेंशन, न्यूनतम पेंशन और सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन दी जाती है। खरगे ने कहा कि यूपीएस में यू का मतलब है मोदी सरकार का यू-टर्न है।

पीएम मोदी का सपना है भारत बने एक फिट राष्ट्र: मांडविया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी का सपना भारत को एक फिट राष्ट्र बनाना है। उनके फिट इंडिया मूवमेंट की परिकल्पना प्रत्येक नागरिक के लिए एक कार्यक्रम है और आप सभी को इस साल के राष्ट्रीय खेल दिवस पर इस राष्ट्रव्यापी उत्सव का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित हैं। यह बात केंद्रीय खेल और श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने खेल दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी कहते हैं कि जो खेलता है, वो खिलता है। पीएम मोदी ने अपने कार्यकाल में खेलों को उत्साहित करने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं, जिसके परिणाम हमें देखने को मिल रहे हैं। युवाओं का रुझान भी खेलों में बढ़ रहा है। खेल मंत्री ने कहा कि एक घंटे हम सभी भारतवासी बाहर जाकर खेलें। खेलों को प्रोत्साहित करें। फिट इंडिया अभियान को तेजी दें। ऐसा करके हम खुद को फिट रख सकेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि हमें संतुलित और स्वस्थ रखने में खेल मदद कर सकते हैं। उन्होंने सभी से राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अपने परिवार और दोस्तों के साथ खेलों में शामिल होने और एक फिट और सक्रिय भारत के निर्माण की दिशा में कदम उठाने की अपील की।

गौरतलब है कि हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर हर साल 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। हर साल, राष्ट्रीय खेल दिवस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश को गौरवान्वित करने में उनके योगदान के लिए हमारे खेल नायकों को एक सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में मनाया जाता है।

यूपीएस मंजूर होते ही भाजपा नेताओं ने कर्मचारियों को दी बधाई कहा-वित्तीय सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शनिवार को सरकारी कर्मचारियों के लिए यूपीएस को मंजूरी दे दी। इस कदम पर भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनि?वार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी दिए जाने पर केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को बधाई। वहीं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने एक्स पर लिखा, 140 करोड़ भारतीयों के सुख, समृद्धि और संतुष्टि के लिए साधनारत, भारत के अमृतकाल के सारथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा यूनिफाइड पेंशन स्कीम - यूपीएस को दी गई स्वीकृति ऐतिहासिक है।

शाह ने इस योजना को मंजूरी देकर मोदी सरकार ने देश के शासन की रीढ़ माने जाने वाले हमारे केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों की वित्तीय सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इस योजना को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 140 करोड़ देशवासियों के जीवन को सुगम बनाने हेतु सतत समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को दी गई मंजूरी अभिनंदनीय है। केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों को लाभान्वित करता यह युगांतरकारी निर्णय उनके जीवन में आर्थिक सुरक्षा और सुखद भविष्य की सुनिश्चितता का नया सूर्योदय लेकर आया है।

यूपीएस को लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने एक्स पर लिखा, 140 करोड़ भारतीयों के सुख, समृद्धि और संतुष्टि के लिए साधनारत, भारत के अमृतकाल के सारथी आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा यूनिफाइड पेंशन स्कीम - यूपीएस को दी गई स्वीकृति ऐतिहासिक है। भारत सरकार के लाखों कर्मचारियों को लाभान्वित करने वाला यह युगांतरकारी निर्णय उनके जीवन में आर्थिक सुरक्षा और समृद्धि का नया अध्याय लिखेगा। यह निर्णय न केवल वर्तमान कर्मचारियों के लिए वरदान सिद्ध होगा, अपितु भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी मजबूत आधार तैयार करेगा। इस अभूतपूर्व निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक आभार। आपके दूरदर्शी नेतृत्व ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक का कल्याण आपकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।बता दें कि इससे पहले यूपीएस को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक?स पर पोस्ट कर कहा, देश की प्रगति के लिए कठिन परिश्रम करने वाले सभी सरकारी कर्मचारियों पर हमें गर्व है। यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) इन कर्मचारियों की गरिमा और आर्थिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने वाली है। यह कदम उनके कल्याण और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पिछड़ों को साधने भाजपा की नजर: ओबीसी वोट बैंक की चाबी शिवराज के हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी जानती है कि ओबीसी को साधे बगैर उसकी नैया पार नहीं हो सकती है। उसे ये भी पता है कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के हाथ में इसकी पतवार है। शायद यही वजह है कि चौहान को बीजेपी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने एक कार्यक्रम में बुलाया था। यह कार्यक्रम सीतामढ़ी के धनुक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रामपाल मंडल की याद में आयोजित किया गया था। रामपाल मंडल को याद करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उन्होंने चार अंग्रेज अफसरों को मार गिराया और उसके बाद कोर्ट में खुशी-खुशी सजा भी स्वीकार कर ली। हाथ में भगवद्गीता लेकर और भारत माता की जय बोलते हुए वह फांसी पर चढ़ गए। उनके पैर भी नहीं कांप रहे थे। मंडल के वकील कहते रहे कि वह अपने जुर्म का इकबाल ना करें। हालांकि रामपाल

मंडल ने शहीद हो जाने का रास्ता चुना।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मोदी सरकार ने ग्रामीण और शहरी इलाकों में एक करोड़ लोगों का घर का सपना साकार किया है। वहीं पांच साल में बिहार में ही 13 लाख घर बनवाए गए हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में बीजेपी का प्रदर्शन अच्छा नहीं था। बीजेपी ने 80 में से 33 सीटों पर जीत हासिल की थी। माना जाता है कि ओबीसी और दलित वोट बीजेपी को उम्मीद के मुताबिक नहीं मिले। वहीं बिहार में कुशवारा और अन्य पिछड़ा वर्ग के वोट इंडिया गठबंधन में शिफ्ट हो गए। 10 लाख से ज्यादा के अंदर से लोकसभा चुनाव जीतने वाले शिवराज सिंह चौहान को मोदी सरकार में इसीलिए जगह दी गई है कि वह पिछड़े वर्ग की वोटों को साध सकें। वह बीजेपी के ओबीसी चेहरों में सबसे ज्यादा लोकप्रिय नेता माने जाते हैं। चुनाव के वक्त कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल संविधान और आरक्षण के मुद्दे पर बीजेपी को घेरते रहते हैं। इसी बीच पिछड़े वर्ग के कार्यक्रम में पहुंचे शिवराज सिंह चौहान ने कहा, हमारे विरोधी केवल बड़े-बड़े दावे करते हैं। अगर किसी ने वास्तव में पिछड़े वर्ग का सामान्य है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने कहा, मोदी जी ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक बनाया। सभी पिछड़े वर्गों और अत्यंत पिछड़े वर्ग को सम्मान दिया गया। मोदी जी ने अन्य पिछड़े वर्ग के अध्ययन के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया। केवल बीजेपी सरकार ने ही पिछड़े वर्ग के भले की दिशा में काम किए हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले 'आप' को बड़ा झटका, पांच पार्षद भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। आप के पांच पार्षद भाजपा में शामिल हो गए हैं। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और बीजेपी नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी की मौजूदगी में आप पार्षद भाजपा में शामिल हुए। रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के पांच पार्षदों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। भाजपा में शामिल होने वाले पार्षदों में वार्ड 178 से सुगंधा बिधूड़ी, वार्ड 28 से राम चन्द्र, वार्ड 30 से पवन सहरावत, वार्ड 180 से मंजू निर्मल, वार्ड 177 से ममता पवन शामिल हैं।

पूर्व प्रिंसिपल का घर खंगाल रही सीबीआई के हाथ लगे अहम सुराग

नई दिल्ली। सीबीआई ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के आवास पर आज सुबह-सुबह छापेमारी की। इस छापेमारी में सीबीआई के हाथ ऐसे कई सुराग लगे हैं जिससे बड़े बड़े दिग्गजों की नींद उड़ सकती है। घोष के कार्यकाल के दौरान कॉलेज में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर तमाम दस्तावेज खंगाले गए। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय जांच एजेंसी शहर में 14 अन्य स्थानों पर भी छापेमारी कर रही है। इसी दौरान सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के अधिकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी के डेमोस्ट्रेटर डॉ. देबाशीष सोम के आवास पर भी पहुंचे। बता दें कि शनिवार को सीबीआई ने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर कार्रवाई करते हुए डॉ. संदीप घोष के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। हाईकोर्ट की एकल पीठ द्वारा सीबीआई को मेडिकल कॉलेज में कथित भ्रष्टाचार की जांच करने का निर्देश दिए जाने के बाद जांच शुरू हुई। इससे पहले, हाईकोर्ट की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने निजाम पैलेस स्थित सीबीआई कार्यालय का दौरा किया और मामले से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज सौंपे। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक अख्तर अली द्वारा तीन दिन पहले दर्ज कराई गई शिकायत के बाद ये कार्रवाई की गई है। शिकायत में डॉ. देबाशीष सोम के खिलाफ संस्थान में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की और शनिवार को अलीपुर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट में इसकी एक प्रति जमा की। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सीबीआई को जांच की प्रगति रिपोर्ट देने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है, जो 17 सितंबर को पेश की जानी है। बीते 9 अगस्त को एक सेमिनार हॉल में पोस्टग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के साथ कथित बलात्कार और हत्या के बाद मेडिकल कॉलेज सुर्खियों में आ गया था। इसके आरोप में संजय रॉय को गिरफ्तार किया गया था। कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने हत्या के साथ-साथ कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले दर्ज किए हैं। कोलकाता पुलिस ने सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पास निषेधाज्ञा को एक और सप्ताह के लिए 31 अगस्त तक बढ़ा दिया है।

दिल्ली में हल्की बारिश ने बढ़ाई उमस, कल भी बरसेंगे मेघ

नई दिल्ली। राजधानी में रविवार को हल्की बारिश होने से उमस बढ़ गई है। इससे लोगों दिन के समय पसीने से हलाकान दिखे। वहीं, रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक व न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की कमी दर्ज की गई। मौसम विभाग की मानक वेधशाला से राजधानी के कई इलाकों में बारिश ट्रेस की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को भी हल्की बारिश हो सकती है। इसके लिए विभाग ने हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। साथ ही, तेज धूल भरी आंधी 30-40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी। ऐसे में अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। रविवार को सुबह से हल्की धूप खिली। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे ही धूप अच्छे से खिलती रही। इसके बाद आसमान में हल्के बादल छा गए। ऐसे में बादल व सूरज की लुका छिपी का खेल चला। इसके बाद दोपहर में हल्की बारिश दर्ज की गई। इससे लोगों को उमस का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के मुताबिक, अधिकतम तापमान एक डिग्री अधिक 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। वहीं, शाम को भी हवाएं चली। इससे तापमान में कमी देखने को मिली। नमी का स्तर 95 से 63 फीसदी रहा।

नौकरी के लालच में फंसा-रेलवे के नाम पर छह लाख ठगे, फिर झांसा देकर बुलाया, कहा- स्टेशन पर कराएंगे ज्वाइनिंग

नई दिल्ली। रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ज्योति नगर निवासी मुकुल से छह लाख रुपये ठग लिए गए। आरोपियों ने फर्जी नियुक्ति पत्र देकर मुकुल को निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन बुलाया। शक होने पर मुकुल ने एक आरोपी अर्जुन को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस युवक से पूछताछ कर मुख्य आरोपी रिंकू व बाकी साथियों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, निजी कंपनी में काम करने वाले मुकुल ने बताया कि दो साल से उसकी रिंकू से पहचान थी। मार्च में रिंकू ने उसे बताया कि वह रेलवे में सरकारी नौकरी लगवा सकता है। मुकुल ने अपनी और भाई व साले की नौकरी लगवाने की बात कही तो रिंकू ने 12 लाख रुपये में तीनों की नौकरी लगवाने का सौदा किया। इसके बाद रिंकू ने मुकुल को आशीष से मिलवाया। आशीष ने दिल्ली सचिवालय के पास बुलाया और कागजात लेने के बाद कहा कि उसके पास एक ईमेल आएगा। कुछ ही दिनों बाद एक ईमेल मुकुल के पास आया, जिसमें टीटीई के लिए चयन होने की बात कही गई थी। इसके बाद आरोपी ने मुकुल से छह लाख रुपये ले लिए। कुछ दिन बाद उसे ज्वाइनिंग के लिए निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन बुलाया गया। पिता के साथ मुकुल वहां पहुंचा। यहां उन्हें अर्जुन मिला। बातचीत में मुकुल को उस पर शक हुआ। इसके बाद रिंकू से बात की गई तो उसने मिलने के लिए ज्योति नगर बुलाया। मुकुल अर्जुन को लेकर वहां पहुंचा, लेकिन रिंकू वहां नहीं आया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर अर्जुन को हिरासत में ले लिया है।

पिता की लाइसेंसी पिस्टल लेकर स्कूल पहुंचा छठी का छात्र, बच्चे ने कहा- खिलौना समझकर ले आया था

नई दिल्ली। नजफगढ़ के ग्रीन वैली स्कूल में शनिवार को छठी में पढ़ने वाला छात्र (10) पिता की लाइसेंसी पिस्टल बैग में लेकर स्कूल पहुंच गया। दोस्तों को पिस्टल दिखाते समय शिक्षकों को इसकी जानकारी हुई। बच्चे से पिस्टल लेने के बाद स्कूल प्रशासन ने मां को बुलाया और पुलिस को जानकारी दी। मां ने बताया कि पति की कुछ माह पहले मौत होने के बाद उसने थाने में पिस्टल जमा करने के लिए निकाली थी। पुलिस के अनुसार, कुछ माह पहले बच्चे के पिता का देहांत हो गया था। शनिवार को मां ने पिस्टल बाबा हरिदास नगर मालखाना में जमा करने के लिए अलमारी से बाहर निकालकर रखी थी। बच्चे ने बताया कि खिलौना समझकर उसने पिस्टल बैग में रख ली थी। पिस्टल में कारतूस नहीं था।

31 अक्टूबर तक कारोबारी को जीएसटी मे बैंक खाता लिंक करना अनिवार्य

- बैंक खाता लिंक नहीं होने पर मासिक रिटर्न दाखिल नहीं होगी

नई दिल्ली । जीएसटी ने दो नई व्यवस्था लागू की है। पहली व्यवस्था में रिवर्स चार्ज मेकैनिज्म मैं संशोधन किया गया है। दूसरा जीएसटी में पंजीकृत हर कारोबारी को अब अपना बैंक खाता भी लिंक करना होगा। बैंक खाता लिंक करने की अंतिम अवधि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। इसके बाद कारोबारी जिनके बैंक खाता लिंक नहीं होंगे। वह अपनी मासिक रिटर्न नहीं भर पाएंगे। रिटर्न जमा नहीं होने पर पेनल्टी भी कारोबारी से वसूल की जाएगी। आरसीएम प्रक्रिया में जो बदलाव किए गए हैं। उसमें खरीददार को जीएसटी का भुगतान करना होगा है। जीएसटी नेटवर्क में एक नया स्टेटमेंट शुरू किया गया है। जिसमें आरसीएम देनदारी/ आईटीसी स्टेटमेंट कहा जाता है। इस स्टेटमेंट से व्यापारियों को जानकारी मिलेगी, उन्होंने आरसीएम मैं कितना जीएसटी भरा है। कितना इनपुट क्रेडिट लिया गया है। कारोबारी को अपने बैंक खाता की जानकारी भी पोर्टल पर दर्ज करनी होगी। व्यापारी ने अपने बैंक खाते की जानकारी नहीं दी है। ऐसी स्थिति में वह अपनी मासिक रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएगा। हालाकि बैंक खातालिंक करने की तारीख को बढ़ाकर अब 31 अक्टूबर कर दिया गया है।

युवाओं को प्रशिक्षण देने कंपनियों की संख्या बढाने पर सरकार कर रही है, विचार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के बजट में एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने का प्रावधान किया है। इसके लिए 5 साल तक 500 कंपनियों को प्रशिक्षण देने की जानकारी बजट में दी गई थी। अधिकारियों ने अभी तक 20 शीर्ष कंपनियों से बातचीत की है। जो प्रारंभिक सुझाव अधिकारियों को मिले है। उसके अनुसार सरकार को कंपनियों की सीमा में वृद्धि करनी होगी। 500 शीर्ष कंपनियां किसी भी तरह से इस लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाएंगी। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्रीय स्तर पर एक पोर्टल तैयार किया जा रहा है। जिसमे इस स्कीम के युवा पोर्टल पर अपना पंजीयन कर सकेंगे। इसी पोर्टल पर कंपनियां भी पंजीकृत होगी। युवाओं के पंजीयन के अनुसार कंपनियाँ प्रशिक्षण देने के लिए युवाओं का चयन करेगी। शीर्ष कंपनियों का कहना है,500 कंपनियों में यदि 4000 नए इंटरनेट रखे जाते हैं। तो उसकी वर्कफोर्स का 30त्न होगा। इतने कर्मियों को अपनी वर्कफोर्स में शामिल कर पाना कंपनियों के लिए संभव नहीं है। नाही उसके पास उतना स्पेस है। सभी बड़ी कंपनियां महानगरों के आसपास स्थित हैं। इस कारण दूर दराज और ग्रामीण अंचलों के युवाओं को हजारों किलोमीटर दूर जाकर प्रशिक्षण लेना संभव नहीं होगा। इस योजना में छोटी और मध्यम श्रेणी की कंपनियों और फर्मों को शामिल किया जाएगा, तो सरकार ने जो लक्ष्य निर्धारित किया है। उसे पूरा भी किया जा सकेगा। वहीं युवाओं को स्थानीय स्तर पर नौकरी और रोजगार मिल सकेगा। सरकार इन तीन सुझावों पर गंभीरता के साथ विचार कर रही है। जल्द ही योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा।

ड्रोन पंजीकरण के लिए अब पासपोर्ट आवश्यक नहीं

नई दिल्ली । केंद्र सरकार द्वारा ड्रोन पंजीकरण और हस्तांतरण से जुड़े नियमों में संशोधन किया है। अब पंजीकरण के लिए पासपोर्ट की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा जो नई ड्रोन नियमावली जारी की गई है। उसमें ड्रोन के पंजीकरण के लिए मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस मैं से। किसी एक को अनिवार्य किया गया है।

पाकिस्तानी छात्रों को भारत में पढ़ाई के लिए आसानी से नहीं मिलता वीजा

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बिगड़े हुए रिश्ते को देखते हुए पाकिस्तानी स्टूडेंट्स के लिए भारत का स्टूडेंट वीजा हासिल करना आसान नहीं है। इसके लिए उन्हें भारत और पाकिस्तान, दोनों देशों की सरकार से परमिशन लेनी पड़ती है। सभी जरूरी डॉक्यूमेंट्स जमा करने के बाद भी कई बार पाकिस्तानी स्टूडेंट्स का भारतीय वीजा रिजेक्ट कर दिया जाता है। पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने के लिए स्टूडेंट वीजा मिल सकता है। लेकिन इसके लिए कई तरह की शर्तें पूरी करनी होती हैं। पाकिस्तानी स्टूडेंट्स को भारतीय यूनिवर्सिटी में पढ़ाए जाने वाले प्रोफेशनल कोर्स में एडमिशन के लिए वीजा मिल सकता है। इन कोर्सेस में इंजीनियरिंग, मेडिकल, कानून और मैनेजमेंट शामिल हैं। स्टूडेंट वीजा हासिल करने के लिए पाकिस्तानी छात्रों को मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेना होगा। पाकिस्तानी छात्रों को साइंस/ह्यूमैनिटीज/कॉमर्स जैसे कोर्सेस की पढ़ाई करने लिए इंडियन स्टूडेंट वीजा नहीं मिलता है। स्कूल स्तर पर, स्टूडेंट वीजा सिर्फ उन मान्यता प्राप्त/अनुमोदित अंतरराष्ट्रीय स्कूलों में पढ़ाई के लिए दिया जा सकता है, जो इंटरनेशनल स्टूडेंट्स को एडमिशन देते हैं। साथ ही उन स्कूलों का फीस स्ट्रक्चर ज्यादा होना चाहिए (न्यूनतम भारतीय शुल्क 30,000 रुपये प्रति महीना)। गृह मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों में संगीत, नृत्य, योग आदि की पढ़ाई के लिए भी स्टूडेंट वीजा दिया जा सकता है।

बिना काम के तीन करोड़ रुपए मिल रहा वेतन, अब मचा हड़कंप

नई दिल्ली। अमेजॉन में काम करने का दावा करने वाले एक कर्मचारी ने ऐसा खुलासा किया, जिसके बाद हड़कंप मच गया। दरअसल, शख्स ने लिखा कि वह कंपनी में पिछले डेढ़ साल से काम कर रहा है और इस दौरान उसने कोई भी सार्थक काम नहीं किया है। उसकी सैलरी भी तीन करोड़ रुपये से अधिक है। शख्स का गुमनाम सोशल मीडिया फोरम ब्लाइंड पर यह कबूलनामा अब वायरल हो गया है। वह गूगल में हुई छंटनी के बाद अमेजन में काम करने पहुंचा है। अपनी पोस्ट में शख्स ने कहा कि वह अमेजन में वरिष्ठ तकनीकी कार्यक्रम प्रबंधक की पोस्ट पर काम करता है और कुछ नहीं करने के उसे लगभग 370,000 डॉलर (तीन करोड़ रुपये से अधिक) मिलते हैं। एक यूजर ने एक्स पर पोस्ट शेयर की, जिसमें शख्स ने लिखा था, मैं 1.5 साल पहले अमेजन में तब शामिल हुआ था, जब मुझे गूगल की छंटनी का शिकार होना पड़ा था। मैं कुछ नहीं करने, मुफ्त पैसे पाने और पीआईपी में शामिल होने के इरादे से शामिल हुआ था। कर्मचारी ने ब्लाइंड प्लेटफॉर्म पर अपने पोस्ट में आगे लिखा कि काम करने के दौरान उसने केवल सात टिकटों का समाधान किया है और एक एकल स्वचालित डैशबोर्ड बनाया है, जिसको बनाने में उसे तीन महीने लगे, जबकि असल में इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, चैटबॉट जीपीटी का उपयोग करके केवल तीन दिनों में बनाया गया था, लेकिन मैंने बताया कि इसमें कुल तीन महीने लग गए। कर्मचारी ने यह भी कहा कि उसका ऑफिस के आठ घंटे का समय ज्यादातर मीटिंग में ही हिस्सा लेने में बीतता है। बता दें कि ब्लाइंड सोशल मीडिया का ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां पर वैरिफाइड प्रोफेशनल काम से संबंधित बातें कर सकते हैं। उसने आगे लिखा कि मुझे किसी भी संभावित पीआईपी के बारे में जानकारी नहीं दी गई है, यहां पर मैं कितने समय तक टिक पाऊंगा? इस पर यूजर्स ने तरह-तरह के कमेंट्स किए हैं। एक ने लिखा है कि यह मेरी ड्रीम जॉब की तरह है।

खुले नाले में गिरकर पांच साल की बच्ची की मौत, परिजनों के साथ खेत में गई थी

नई दिल्ली। दिल्ली के अलीपुर इलाके में एक बार फिर सिविक एजेंसी की लापरवाही का मामला सामने आया है। अकबरपुर माजरा गांव के पास खुले नाले में गिरने से पांच साल की बच्ची की मौत हो गई है। मृत बच्ची की पहचान मुस्कान के रूप में हुई है। बच्ची के माता-पिता खेतीबाड़ी का काम करते हैं। बच्ची शनिवार को अपने परिजनों के साथ खेत में गई हुई थी। पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के हवाले कर दिया है। घटना के बाद से मां का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मुस्कान अपने पिता धर्मेंद्र, मां रूनी देवी और तीन भाई बहन के साथ अकबरपुर माजरा गांव में रहती थी। धर्मेंद्र खेती बाड़ी का काम करते हैं। धर्मेंद्र ने बताया कि शनिवार को वह अपनी पत्नी के साथ खेत में काम करने गए थे। बच्चे भी उनके साथ थे। वह खेत में काम कर रहे थे, जबकि बच्चे कुछ दूरी पर खेल रहे थे। शाम को खेल रहे तीन बच्चे वापस आ गए लेकिन मुस्कान नहीं आई। उसके बाद से उनलोगों ने मुस्कान की तलाश शुरू की। काफी तलाश करने के बाद रात 8.30 बजे परिवार वाले खेत के पास पल्ला गांव से हिरणकी पुलिस चेक पोस्ट तक तक बने नाले में बच्ची की तलाश शुरू की। नाले पर स्लैब नहीं लगा हुआ है। नाले में लाठी से कई बार पानी को खंगालने पर बच्ची का शव नाले में दिखा। उसके बाद परिवार वालों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी।

पाकिस्तान ने सीएचजी की बैठक में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को न्योता भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने सरकार के प्रमुखों की परिषद (सीएचजी) की बैठक में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योता भेजा है। प्रधानमंत्री के अलावा, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के दूसरे नेताओं को भी आमंत्रित किया है। अभी तक के संबंधों और हालातों पर गौर करें तो पीएम मोदी के इस्लामाबाद जाने का सवाल ही नहीं उठता है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह इस कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए किसी मंत्री को भेजते हैं या नहीं।

पाकिस्तान 15-16 अक्टूबर को इस बैठक की मेजबानी करने जा रहा है। आपको बता दें कि सीएचजी की मेजबानी बारी-बारी से सभी देशों के पास आती है। यह यूरेशियन समूह में देशों के प्रमुखों की परिषद के बाद दूसरा सबसे बड़ा निर्णय लेने वाला निकाय है। पीएम मोदी राज्य प्रमुखों के शिखर सम्मेलन में नियमित रूप से शामिल होते रहे हैं, हालांकि इस साल उन्होंने कजाकिस्तान में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उनकी जगह विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले साल बिश्केक में भाग लिया था। भारत सरकार ने अभी तक एससीओ सीएचजी बैठक के लिए पीएम मोदी को पाकिस्तान के निमंत्रण पर कोई निर्णय नहीं लिया है। जम्मू में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले पाकिस्तान में किसी भी उच्च-स्तरीय मंत्री-स्तरीय यात्रा के खिलाफ माहौल बनाने में काम कर सकते हैं। पिछले महीने कारगिल विजय दिवस पर अपने संदेश में पीएम मोदी ने पाकिस्तान का नाम लेते हुए कहा था कि उसने इतिहास से कुछ नहीं सीखा है। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान आतंकवाद तथा छद्म युद्ध के माध्यम से प्रासंगिक बने रहने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान का दौरा करने वाली आखिरी भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज थीं, जिन्होंने 2015 में पाकिस्तान का दौरा किया था। पीएम मोदी के समकक्ष शहबाज शरीफ के भाई नवाज शरीफ के साथ अच्छे संबंधों के बावजूद भारत-पाकिस्तान संबंधों में सुधार की संभावना कम ही है। ऐसा इसलिए कि पाकिस्तान चाहता है कि भारत जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने के फैसले को पलट दे। वहीं, भारत का कहना है कि कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के साथ चर्चा करने के लिए उसके पास पीओके पर अवैध कब्जे के अलावा और कुछ नहीं बचा है।

पूर्व कपड़ा एवं जूट मंत्री गुलाम दस्तगीर गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व कपड़ा एवं जूट मंत्री गुलाम दस्तगीर गाजी को पुलिस ने ढाका से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग सरकार के अधिकारियों व मंत्रियों पर सख्ती दिखाते हुए की है। गौरतलब है कि छात्र आंदोलन और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से ही पुलिस लगातार अवामी लीग सरकार से जुड़े अधिकारियों और उनके मंत्रियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए हुए है। सूत्रों की मानें तो पुलिस थाने के प्रभारी मोल्ला मोहम्मद खालिद हुसैन ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया है कि 76 वर्षीय नेता को शनिवार देर रात करीब तीन बजे राजधानी ढाका के पियरगोली इलाके स्थित एक घर से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेने के बाद डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) कार्यालय लेकर पहुंची है। डीबी में कपड़ा मंत्री को रखे जाने के संबंध में पुलिस सूत्रों का कहना था कि चूंकि हाल ही में हुई हिंसा के दौरान पुलिस थाना बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया था, इस कारण उन्हें डीबी लाया गया है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस अधिकारी आधिकारिक तौर पर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। उन्होंने इस बात से भी गुरेज किया है कि आखिर किन धाराओं के तहत पूर्व मंत्री गुलाम दस्तगीर गाजी को पुलिस हिरासत में लिया गया है। यहां बतलाते चलें कि इस गिरफ्तारी से पहले नारायणगंज के रूपगंज पुलिस थाना में शेख हसीना और गाजी समेत 105 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरु की गई है।

ब्रिटेन के दिग्गज कारोबारी माइक लिंच की मौत, बेटी हन्नाह लापता, -सिसिली के तट पर डूब गया था याट, पत्नी समेत 14 लोगों को बचा लिया था

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन के दिग्गज बिजनेसमैन माइक लिंच की मौत हो गई है। उनका शव उनके ही सुपरयाट में मिला है। ये याट करीब एक हफ्ते पहले सिसिली के तट पर डूब गया था। 59 साल के माइक लिंच को ब्रिटेन का 'बिल गेट्स' कहा जाता था। बता दें कि इस याट में लिंच की पत्नी एंजेला बकारेस और बेटी हन्नाह के अलावा दस क्रू मेंबर्स और 12 यात्री मौजूद थे। इनमें से लिंच की पत्नी एंजेला समेत 14 लोगों को बचा लिया गया। वहीं उनकी बेटी हन्नाह अभी भी लापता है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हन्नाह की मौत हो चुकी है हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बता दें कि एक हफ्ते पहले इटली के पलेर्मो प्रांत के एक छोटे से गांव पोर्टिसेलो के तट पर एक विशाल जहाज डूब गया था। जब ये हादसा हुआ तब पता नहीं चला था कि ये जहाज किसका है, लेकिन जब इसकी जांच हुई तब पता चला कि ये डूबा जहाज ब्रिटेन के दिग्गज कारोबारी माइक लिंच की पत्नी एंजेला का है और ये भी पता चला कि इस याट में उनके पति लिंच और बेटी भी थे। बता दें कि दो महीने पहले ही लिंच ने हेवलेट पैकर्ड के आरोपों पर एक ऐतिहासिक अमेरिकी मुकदमे में शानदार जीत हासिल की थी। ब्रिटेन के बिल गेट्स कहे जाने वाल माइक लिंच का जन्म 1965 में आयरिश परिवार में पूर्वी लंदन के एक बड़े शहर इलफोर्ड में हुआ था। उनकी मां एक नर्स थीं और उनके पिता एक फायरमैन थे। 1980 के दशक के आखिरी में लिंच ने लिनेट सिस्टम्स लिमिटेड की स्थापना की, जो एक फर्म थी जो संगीत उद्योग के लिए डिज़ाइन और ऑडियो उत्पाद तैयार करती थी। 1990 में उन्होंने कैम्ब्रिज न्यूरोडायनामिक्स नामक फिंगरप्रिंट पहचान के कारोबार की स्थापना की। जिसका इस्तेमाल सबसे पहले दक्षिण यॉर्कशायर पुलिस ने किया। लिंच को बड़ा ब्रेक 1996 में ऑटोनॉमी से मिला, जिसे उन्होंने कैंब्रिज न्यूरोडायनामिक्स के स्पिनऑफ के रूप में डेविड टैबिज़ेल और रिचर्ड गौंट के साथ सह-स्थापित किया था। कंपनी ब्रिटेन की सबसे बड़ी तकनीकी कंपनी बन गई। उन्होंने पैटर्न-मिलान एल्गोरिदम से बने ऑटोनॉमी के सॉफ़्टवेयर को एक ऐसे समाधान के रूप में पेश किया जो कर्मचारियों को वेब पेज, ईमेल, वीडियो, ऑडियो और टेक्स्ट सहित असंरचित डेटा से अर्थ निकालने में मदद कर सकता है।

क्या कभी आएगी गाजा में शांति.... नेतन्याहू के तेवर से नहीं लगता

तेल अवीव। इजरायल और हमास के बीच जारी जंग को रोकने के लिए कई महीनों से बातचीत का दौर चल रहा है। बताया जा रहा हैं कि दोनों पक्ष युद्ध विराम समझौते के बेहद करीब पहुंच चुके है। हालांकि कई जानकार समझौते के ज्यादा दिन टिकने की उम्मीद नहीं। उधर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की बातें इन आशंकाओं को और मजबूत ही करती है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा, मैं आंशिक समझौता करने के लिए तैयार हूं, यह कोई रहस्य नहीं है, इससे कुछ लोग वापस आ जाएंगे। लेकिन हम हमास को नष्ट करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विराम के बाद भी युद्ध जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं इस पर हार नहीं मानूंगा। बात दें कि पीएम के इस इंटरव्यू को 2 महीने से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन इजरायल का स्टैंड बदलने का कोई संकेत नहीं दिखाता है। माना जा रहा है कि इजरायल और हमास के बीच सीजफायर डील हो भी जाती है, तब बड़ी चुनौतियां बनी रहेंगी। राष्ट्रपति जो बाइडन ने स्वीकार किया कि अस्थायी विराम शुरू होने के बाद बातचीत के लिए काफी मुद्दे बचे रह सकते है। उधर हमास को उम्मीद थी कि अब बस इस बात पर चर्चा होनी है कि इजरायली बंधकों को छोड़ने के एवज में कितने फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा। हालांकि इजरायल इस पर बात करने को तैयार नहीं। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थ का रोल निभा रहे अमेरिका, मिस्र और कतर जंग को रोकने के लिए बातचीत को ट्रैक पर रखने की जितनी भी कोशिश करें, वे आसानी से बिखर सकते हैं और दोनों पक्ष एक बार फिर हथियार उठा सकते हैं। माना जाता है कि गाजा में हमास के नेता याह्या सिनवार, जिन्हें खोजने के लिए इजरायल के भयंकर प्रयासों के बावजूद अभी भी जीवित हैं। इसके अलावा हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के हजारों लड़ाके भी युद्ध के मैदान में बने हुए हैं।

भूख-प्यास से तड़पकर भारतीय की मौत

रियाद। सऊदी अरब में काम कर रहे 27 साल के भारतीय नागरिक मोहम्मद शेहजाद खान की मौत हो गई है। तेलगांना का रहने वाला शेहजाद सऊदी के रेगिस्तान रुब-अल खाली में फंस गया था। इसे दुनिया की सबसे खतरनाक जगहों में से एक कहा जाता है। शेहजाद सुडान के अपने एक दोस्त के साथ इस इलाके से गुजर रहा था। रास्ते में उनका जीपीएस सिग्नल फेल हो गया। इसके कुछ समय बाद उनकी गाड़ी में तेल और फोन की बैटरी भी खत्म हो गई, जिस वजह से वे किसी से मदद नहीं मांग पाए।

चीनी सेना का नया सिद्धांत -ताकतवर दुश्मनों, विरोधियों के खिलाफ युद्ध जीतना

बीजिंग। चीन के एक शीर्ष रक्षा अधिकारी ने कहा है कि स्थानीय युद्ध जीतने के अपने दशकों पुराने सिद्धांत से हटकर चीनी सेना अब ''ताकतवर दुश्मनों और विरोधियों'' के खिलाफ युद्ध जीतने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब चीन, अमेरिका सहित कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य मियाओ हुआ ने कहा, ''नयी यात्रा में, हमें ... ताकतवर दुश्मनों और विरोधियों को हराने के लिए क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।'' चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सेना को देश की संप्रभुता और विकास हितों की रक्षा के लिए अपनी रणनीतिक क्षमता में सुधार करने का भी निर्देश दिया है। माओत्से तुंग युग के बाद देश का पुनर्निर्माण करने वाले शीर्ष नेता और आधुनिक चीन के वास्तुकार के रूप में जाने जाने वाले डेंग जियाओपिंग की 120वीं जयंती का जश्न मनाते हुए चिनफिंग ने न केवल सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी और देश के लिए उनके योगदान की प्रशंसा की, बल्कि आधुनिक सेना तैयार करने के उनके दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी याद किया कि डेंग ने चीनी सेना पीएलए को एक मजबूत, आधुनिक और सुसंगठित बल बनाने तथा कम लेकिन बेहतर सैनिक रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया था।

जर्मनी में एक अज्ञात हमलावर के हमले में मारे गये लोगों के स्मारक पर मोमबत्ती , फूल और रेनबो वाले झंडे रखे गये।

कमला हैरिस को जिताने अमरीका के हिंदू संगठन ने किया समर्थन

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए राष्ट्रपति पद का नामांकन स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही अब वे आधिकारिक तौर पर अमेरिका की किसी प्रमुख पार्टी के टिकट पर चुनाव लडने् वाली भारतीय और अफ्रीकी मूल की पहली महिला बन गई हैं। नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डॉनल्ड ट्रंप से मुकाबला करेंगी। अगर वह चुनाव जीतती है तो वह अमरीका की पहली महिला राष्ट्रपति बन जाएंगी। डीएनसी में कमला हैरिस के मंच पर पहुंचते ही हजारों समर्थक उनके पक्ष में नारे लगाने लगे। इस मौके पर उन्होंने अपनी मां श्यामला गोपालन हैरिस को याद करते हुए कहा, मेरी मां ने मुझे सिखाया कि अन्याय की शिकायत करने की बजाय कुछ करें। उन्होंने ही हमें सिखाया कि कभी भी कोई काम आधा-अधूरा न करें। नस्लवाद की ओर इशारा करते हुए हैरिस ने कहा कि मैंने देखा कि दुनिया कभी-कभी मेरी मां से कैसा व्यवहार करती थी, लेकिन मेरी मां ने कभी अपना संयम नहीं खोया। हैरिस ने कहा इस चुनाव के साथ ही हमारे देश के पास अतीत की कड़वाहट, निराशावाद और विभाजनकारी लड़ाइयों से आगे बढने् का एक अनमोल अवसर है। हैरिस का समर्थन करने के लिए अमरीका के कुछ हिंदू संगठनों ने मिलकर 'हिंदू फॉर कमला हैरिस' समूह बनाया है। समूह का मानना है कि हैरिस भारत, अमरीका और दुनिया के लिए अच्छी नेता साबित होंगी। बता दें कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन का जन्म और पालन-पोषण चेन्नई में हुआ। 19 साल की उम्र में 1958 में स्तन कैंसर के इलाज के लिए अमरीका चली गई थीं। यहीं आगे की पढ़ाई की। बर्कले विवि में उनकी मुलाकात हैरिस के पिता डोनाल्ड हैरिस से हुई, जिनसे उन्होंने 1963 में शादी कर ली। हैरिस से उनकी दो बेटियों कमला और माया का जन्म हुआ। 1971 में डोनाल्ड ने श्यामला से तलाक ले लिया। 2009 में कोलन कैंसर से श्यामला की मौत हो गई। वह बेटी को कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल, सीनेटर या उपराष्ट्रपति बनते नहीं देख पाई।

मिडिल ईस्ट में फिर गहराया संकट.. इजराइल में हाई अलर्ट, 48 घंटों के लिए इमरजेंसी का ऐलान,

- लेबनानी सीमा के समुद्री तट पूरी तरह से सील

-हिजबुल्लाह ने दागे रॉकेट..इजराइल ने बरसाए बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल और लेबनान में जबरदस्त तनाव देखने को मिल रहा है। दोनों ओर से एक दूसरे पर लगातार हमले हो रहे हैं। लेबनान से ऑपरेट होने वाले हिजबुल्लाह संगठन ने इजराइल पर 320 रॉकेट से हमला किया है। इजराइल के 11 सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें और ड्रोन्स भी फायर किए। हिजबुल्लाह ने यह हमला अपने टॉप कमांडर फुआद शुक्र की मौत का बदला लेने के लिए किया। दरअसल, इजराइल ने 30 जुलाई को बेरूत में एक एयरस्ट्राइक कर हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर को मार गिराया था। हिजबुल्लाह के हमले के बाद इजराइल ने लेबनान में उसके ठिकाने पर जवाबी कार्रवाई की है। इजराइली डिफेंस फोर्स ने 100 फाइटर जेट्स से हिजबुल्लाह की रॉकेट लॉन्चिंग साइट्स पर अटैक किया। लेबनान और इजराइल के बीच हमले उस वक्त हुए हैं जब गाजा में जारी जंग को रोकने के लिए मिस्र की राजधानी काहिरा में बैठक चल रही है।

हिजबुल्लाह ने सुबह-सुबह इजराइल पर हमला किया। इस दौरान अमेरिका में रात थी। बाइडेन रातभर से हालातों पर नजर बनाए रखे हुए हैं। उन्होंने नेशनल सिक्योरिटी टीम के साथ मीटिंग की है। वहीं, व्हाइट हाउस ने बयान जारी कर कहा है कि अमेरिका, इजराइल को सुरक्षित रखने में उनकी मदद करता रहेगा। मौजूदा हालात को देखते हुए इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने अगले 48 घंटों के लिए इमरजेंसी का ऐलान किया, जबकि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उत्तर में बढ़ती स्थिति को संबोधित करने के लिए एक हाई लेवल मीटिंग की अध्यक्षता की। नेतन्याहू ने मीटिंग के दौरान कहा, हम अपने देश की रक्षा करने, उत्तर के निवासियों को सुरक्षित उनके घरों में वापस लाने के लिए हर कोशिश करेंगे। जो कोई भी हमें नुकसान पहुंचाता है, हम उसे नुकसान पहुंचाएंगे।

स्थिति पर बाइडेन की नजर

व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता सीन सैवेट ने कहा कि जैसे-जैसे इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन इजराइल और लेबनान में होने वाली घटनाओं पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। सैवेट ने कहा कि वे पूरी शाम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ जुड़े रहे। उनके निर्देश पर, सीनियर अमेरिकी अधिकारी अपने इजराइली समकक्षों के साथ लगातार संवाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम इजराइल के खुद की रक्षा करने के अधिकार का समर्थन करते रहेंगे और हम क्षेत्रीय स्थिरता के लिए काम करते रहेंगे। आईडीएफ द्वारा हमले शुरू करने के बाद, रक्षा मंत्री गैलेंट ने अपने अमेरिकी समकक्ष लॉयड ऑस्टिन से बात की।

इजराइल पर ईरान से भी हमले का डर

इजराइल ने 30 जुलाई को बेरूत में एयरस्ट्राइक कर हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर को मार गिराया था। इसके ठीक अगले दिन 31 जुलाई को ईरान में हमास के पॉलिटिकल चीफ इस्माइल हानियेह की मौत हो गई। हमास और ईरान ने इजराइल पर हानियेह की हत्या करने का आरोप लगाया। इसके बाद से मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया। ईरान और उनके समर्थन वाले हिजबुल्लाह संगठन ने कई बार इजराइल से बदला लेने की बात कही। शनिवार को इजराइल पर हमले के बाद हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने इजराइल के खिलाफ पहले फेज की कार्रवाई पूरी कर ली है। वह आगे और हमले करने की तैयारी में है। वहीं ईरान के तमाम नेता लगातार इजराइल को हमले की धमकी दे रहे हैं। हालांकि, यह अटैक कब होगा इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले 1 अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में ईरान के दूतावास के पास हमला किया था। इसमें एक टॉप कमांडर समेत कई अधिकारी मारे गए थे। इजराइल के इस कार्रवाई के जवाब में 12 दिन बाद 13 अप्रैल को ईरान ने इजराइल पर 300 मिसाइलों और ड्रोन्स से अटैक किया था। इस हमले के 6 दिन बाद इजराइल ने ईरान में एयरस्ट्राइक की थी।

इजराइली सैनिकों ने गाजा की मस्जिद में कुरान जलाई

हमास ने शनिवार को इजराइली सैनिकों पर गाजा की एक मस्जिद में कुरान जलाने का आरोप लगाया। अलजजीरा के मुताबिक, हमास ने अरब और मुस्लिम देशों से इजराइली सैनिकों की इस हरकत की निंदा करने की अपील की। हमास ने कहा कि इजराइली सैनिकों का कुरान जलाना और मस्जिदों को तबाह करना उनका चरमपंथी रवैया दिखाता है। यह फिलिस्तीन की पहचान और उसकी पवित्रता से जुड़ी किसी भी चीज के लिए उनके फासीवादी सोच का सबूत है। हमास ने कहा कि समय आ गया है कि दुनिया के आजाद लोग साथ आकर फिलिस्तीन में मुस्लिम और ईसाई धर्म से जुड़े पवित्र स्थलों की रक्षा करें। उन्हें गाजा पट्टी पर विनाशकारी जंग को खत्म करने के लिए एकजुट होना होगा।

नकली नोटों से परेशान पाकिस्तान अब लाएगा प्लास्टिक करेंसी

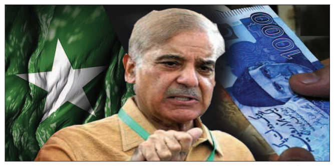

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान आनाज, आटा, पेट्रोल लेकर बिजली की कमी सेजूझ रहा है।अब देश की केंद्रीय बैंक इस संकट से उबरने के लिए नया प्रयोग करने जा रही है, जिससे केवल देश की जनता को राहत तो मिलने की संभावना है साथ ही मनी लॉन्ड्रिंग की समस्या से समाधान मिलेगा।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद ने इस्लामाबाद में बैंकिंग और वित्त पर सीनेट समिति को बताया कि इस साल दिसंबर तक सभी मौजूदा कागजी मुद्रा नोटों को नई सुरक्षा विशेषताओं के साथ फिर से डिजायन किया जा रहा है। अहमद ने कहा कि 10, 50, 100, 500, 1000 और 5000 रुपये के मूल्यवर्ग में नए डिजाइन वाले बैंक नोट दिसंबर में जारी किए जाएंगे। बता दें कि वर्तमान में लगभग 40 देश पॉलीमर प्लास्टिक बैंक नोटों का उपयोग करते हैं, जिनकी नकल करना कठिन है और इनमें होलोग्राम और पारदर्शी खिड़की जैसी अधिक उन्नत सुरक्षा विशेषताएं हैं। ऑस्ट्रेलिया 1998 में पॉलीमर बैंक नोट शुरू करने वाला पहला देश था। अहमद ने यह भी पुष्टि की कि केंद्रीय बैंक की 5,000 रुपये के नोट को बंद करने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, एक सदस्य मोहसिन अज़ीज़ ने जोर देकर कहा कि इससे भ्रष्ट लोगों के लिए अपना कारोबार करना आसान हो जाएगा। केंद्रीय बैंक ने बताया कि इस साल के अंत तक के प्रयोग करते हुए एक नए पॉलीमर प्लास्टिक मुद्रा बैंक नोट लाएगा। केंद्रीय बैंक इसके साथ ही बेहतर सुरक्षा और होलोग्राम सुविधाओं के लिए सभी मौजूदा बैंक नोटों को फिर से डिजायन करेगा। सूत्र के मुताबिक पुराने नोट पांच साल तक प्रचलन में रहेंगे और केंद्रीय बैंक उन्हें बाजार से हटा देगा।' स्टेट बैंक के गवर्नर ने सीनेट समिति को बताया कि जनता के लिए एक मूल्यवर्ग में नया पॉलीमर प्लास्टिक बैंक नोट जारी किया जाएगा, तथा यदि इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली तो अन्य मूल्यवर्गों में भी प्लास्टिक मुद्रा जारी की जाएगी।

प्रधानमंत्री शहबाज ने आतंकियों को बताया कायर और की निंदा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान के पिशिन जिले में कल शनिवार को हुए विस्फोट में 02 बच्चों और एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो पुलिसकर्मियों समेत 13 लोग घायल हो गए हैं। इस घटना को आतंकवादी हमला करार देते हुए पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जहां घटना की निंदा की वहीं उन्होंने छोटे बच्चों पर हमला करने वालों को कायर आतंकवादी बताया है। बलूचिस्तान में यह विस्फोट पिशिन डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के करीब शनिवार को हुआ है। इसे लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि छोटे बच्चों पर हमला करने वाले कायर आतंकवादी असल में इंसान कहलाने के लायक ही नहीं होते हैं। इसी के साथ पीएम शहबाज ने घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घटना के जिम्मेदारों की जल्द से जल्द पहचान कर उन्हें सख्त सजा देने का आह्वान भी किया है। गौरतलब है कि बलूचिस्तान के पिशिन जिले में हुए विस्फोट में दो बच्चों और एक महिला की मौत हो गई है। इस घटना में 02 पुलिसकर्मियों समेत ही 13 लोग घायल हुए हैं। विस्फोट की घटना सुरखाब चौक के पास मुख्य बाजार में होना बताई गई है। इस प्रकार की घटना पुलिस अधिकारियों और चौकियों पर हमलों की एक सिलसिलेबार हाने वाली नई घटना है। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि विस्फोटक सामग्री एक मोटरसाइकिल में रखी गई थी, जिसमें विस्फोट होने से तीन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) और बम निरोधक दस्ता जांच करने और सबूत एकत्र करने घटनास्थल पहुंचा।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर रूस के जख्मों पर नमक छिड़कते दिखे जेलेंस्की

कीव(एजेंसी)। कीव(ईएमएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के जख्मों पर एक बार फिर से नमक छिड़कने का काम किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि 'रूस एक ही चीज चाहता था, हमें नष्ट करना। इसके बजाय, आज हम यूक्रेन के 33वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मना रहे हैं। और दुश्मन जो जंग हमारी जमीन पर लाया था, वह अब उसके घर वापस आ गई है। यूक्रेन के 33वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने भाषण में जेलेंस्की ने कहा कि जंग का दायरा अब रूसी इलाके में फैल गया है। जेलेंस्की ने अपना भाषण सुमी से दिया, जो रूसी सीमा के नजदीक का इलाका है, जहां इस महीने की शुरुआत में यूक्रेनी सेना रूस में घुस गई थी।

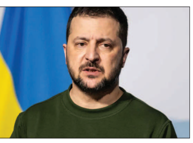

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने मॉस्को से जुड़े धार्मिक संगठनों पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर भी दस्तखत किए हैं। जो यूक्रेन पर रूस के हमले का समर्थन करने के आरोप में आर्थोडॉक्स चर्च की एक शाखा के साथ संबंध खत्म करने को दिखाता है। इस महीने की शुरुआत में संसद से पास एक कानून यूक्रेनी सरकार को इन संस्थानों को बंद करने का कानूनी अधिकार देता है। इससे रूस के साथ संबंध और भी खराब हो जाएंगे और यूक्रेन की स्वतंत्र धार्मिक पहचान मजबूत होगी। जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि जो लोग यूक्रेन को सिर्फ एक बफर जोन में बदलने का इरादा रखते थे, उन्हें अब अपने देश की संभावनाओं के बारे में चिंतित होना चाहिए कि उनका अपना देश कहीं बफर फेडरेशन न बन जाए। इसके साथ ही यूक्रेन ने रोम संधि की पुष्टि करके अंतरराष्ट्रीय न्याय के साथ जुड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है, जिससे देश को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) में शामिल होने की अनुमति मिल गई है।

यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद रूस के वोरोनिश इलाके में रूसी सरकार ने इमरजेंसी लगी दी है। वोरोनिश इलाके का एक हिस्सा यूक्रेन के साथ सीमा साझा करता है। इलाके के गवर्नर अलेक्जेंडर गुसेव के मुताबिक रूसी सेना ने 5 ड्रोन को सफलतापूर्वक रोका। बहरहाल यूक्रेन के ड्रोन हमलों से मलबे में आग लग गई, जिससे वहां मौजूद विस्फोटक पदार्थों में धमाका हो गया। मगर इससे नागरिक ढांचों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इसके बावजूद एहतियाती उपाय किए गए। जिसमें तीन बस्तियों में इमरजेंसी प्रोटोकॉल को लागू किया गया और 200 लोगों को उनके घरों से निकालना शामिल है।

ब्राजील एयरपोर्ट फंसे हैं सैकड़ों एशियाई प्रवासियों में भारतीय भी शामिल

-प्रवेश का कर रहे हफ्तों से इंतजार, फर्श पर सोने को मजबूर

पाउलो (एजेंसी)। साओ ब्राजील में दाखिल होने के लिए कई दिनों से सैकड़ों एशियाई प्रवासी साओ पाउलो के ग्वारूलोस एयरपोर्ट पर बुरी परिस्थिति में फंसे हुए हैं। इन फंसे हुए प्रवासियों में भारतीय, नेपाली और वियतनाम के लोग शामिल हैं जो फर्श पर सोने को मजबूर हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ये प्रवासी बिना वीजा के ब्राजील में एंट्री पाने के लिए ग्वारूलोस साओ पाउलो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर परमिशन का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट में पब्लिक डिफेंडर कार्यालय के प्रवक्ता के हवाले से बताया गया है कि प्रवासी प्रतिबंधित क्षेत्र में रह रहे हैं, जहां खाना और पानी भी नसीब नहीं हो रहा है। अधिकारी ने आगे कहा कि यहां तक ??कि बच्चों को ठंड से बचने के लिए कंबल तक मुहैया नहीं कराए गए हैं।

अधिकारियों से शरणार्थियों को स्वीकार करने और उन्हें उनके मूल देश में नहीं लौटाने के मानवीय सिद्धांत पर आधारित ब्राजील के कानून का पालन करने का आग्रह किया गया है। साथ ही प्रवासियों की स्थिति में सुधार की बात कही है। अधिकारी के हवाले से कहा गया कि एयरपोर्ट पर प्रवासियों का स्वास्थ्य खराब हो रहा था, घाना के एक प्रवासी की दो सप्ताह पहले मौत हो गई। हालांकि ये साफ नहीं हुआ है कि प्रवासी की मौत एयरपोर्ट पर हिरासत में लिए जाने के दौरान हुई या अस्पताल ले जाते समय हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्राजील सोमवार से अमेरिका और कनाडा में प्रवास करने के प्रयास में देश में शरण लेने वाले कुछ एशियाई लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाना शुरू कर देगा। ताकि अमेरिका और कनाडा जाने के लिए ब्राजील को पड़ाव के रूप में इस्तेमाल करने वाले विदेशियों के आने-जाने को रोका जा सके। इससे उन एशियाई प्रवासियों पर असर पड़ेगा. जिन्हें ब्राजील में रहने के लिए वीजा जरूरी है। साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर प्रवासी अन्य जगहों के लिए टिकट बुक करते हैं, लेकिन वह अपनी यात्रा न कर शरण के लिए ब्राजील में ही रुक जाते हैं।

ब्राज़ील की शरणार्थी समिति ने बताया कि नियम विशेष रूप से साओ पाउलो एयरपोर्ट पर लागू होंगे और शरण चाहने वालों पर ब्राजील की नीति में कोई बदलाव नहीं आएगा। हालांकि, यह साफ नहीं है कि जो प्रवासी पहले से ही साओ पाउलो एयरपोर्ट पर हैं, वे नियमों से प्रभावित होंगे या ये केवल उन लोगों पर लागू होंगे जो नियम लागू होने के बाद ब्राज़ील पहुंचेंगे।

विकारी कंस का अंत करने के लिए ही जन्मे थे भगवान श्रीकृष्ण!

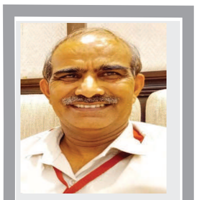

डॉ श्रीगोपाल नारसन

वृंदावन, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली कहा जाता है, में जन्माष्टमी का पर्व 27 अगस्त को मनाया जाएगा। वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होगा। बांके बिहारी मंदिर में जन्माष्टमी के दिन ही विशेष मंगला आरती की जाती है, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रात 12 बजे के समय श्रीकृष्ण ने कंस का अंत करने के लिए ही धरती पर जन्म लिया था। तभी से उनके जन्मदिन को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है।इस बार पंचांग के अनुसार, सुबह 5 बजकर 55 मिनट से 7 बजकर 36 मिनट तक अमृत चौघड़िया रहने वाला है। ये योग पूजा के लिए शुभ है। इसके बाद अमृत चौघड़िया पूजन का मुहूर्त 3 बजकर 36 मिनट 6 बजकर 48 मिनट तक है।

निशीथ काल में भी आप पूजा कर सकते हैं, जो रात में 12 बजकर 1 मिनट से 11 बजकर 44 मिनट तक है।भगवान के जन्मोत्सव को लेकर भक्तों में अलग ही उत्साह और धूम देखने को मिलती है। इस दिन भक्त सच्चे मन से भगवान की पूजा-अर्चना कर उनके नाम का उपवास रखते हैं, रात्रि के समय भगवान को स्नान आदि करा 56 भोग का प्रसाद चढ़ाया जाता है, इसके बाद श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष पूजा की जाती है।इस बार जन्माष्टमी पर चंद्रमा वृषभ राशि में ही विराजमान रहेंगे, माना जाता है कि जब कृष्ण भगवान का जन्म हुआ था तब भी ऐसा ही योग बना था। इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सोमवार को मनाई जा रही है, सोमवार के दिन ही भगवान कृष्ण का नामकरण हुआ था। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग भी बन रहा है।जन्माष्टमी भले ही रंगों का त्यौहार न हो,लेकिन इस दिन अलग अलग रंग के कपड़ों का अलग महत्व होता है। कुछ रंगों के कपड़ों को पहनना बहुत शुभ माना जाता है। कुछ रंग तो भगवान श्रीकृष्ण को बेहद प्रिय रहे हैं और इन रंगों को पहनने से व्यक्ति को मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति की प्राप्ति होती है। वैसे तो त्योहार के दिन किसी भी हल्के रंग के कपड़ों को पहनना शुभ माना जाता है, मगर कुछ रंगों का चयन अत्यंत लाभकारी होता है। भगवान श्री कृष्ण के प्रति अपने मन में श्रद्धा और भक्ति रखकर अपने कपड़ों के लिए मनमुताबिक रंग का ड्रेस खरीद सकते हैं।गुलाबी रंग प्रेम और सुख का प्रतीक है। इस रंग को शुक्र ग्रह से भी जोड़कर देखा जाता है। जन्माष्टमी के दिन गुलाबी रंग के कपड़े पहन सकते हैं ,जो जीवन में प्रेम और सुख-समृद्धि का प्रतीक है।जन्माष्टमी के त्योहार के लिए लाल रंग को बेहद शुभ माना जाता है। लाल रंग ऊर्जा और साहस का प्रतीक भी माना जाता है। लाल रंग को मंगल ग्रह से भी जोड़ कर देखा जाता है। ऐसे में इस साल कृष्ण जन्माष्टमी के त्योहार पर लाल रंग के कपड़े पहनते हैं तो जीवन में भी अकूत उत्साह और ऊर्जा की वृद्धि होगी।पीला रंग भगवान विष्णु का प्रिय रंग है, धर्मिक मान्यता के अनुसार, श्रीकृष्ण उन्हीं के अवतार हैं। ऐसे में अगर जन्माष्टमी के दिन पीले रंग के कपड़े पहनते हैं तो जीवन में खुशियां और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही भगवान कृष्ण की विशेष कृपा बनी रहती है।सफेद रंग शांति का प्रतीक है और इसे चंद्रमा से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में सफेद रंग के कपड़े पहने तो जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बढ़ती है।नीला रंग को सीधे तौर पर भगवान श्रीकृष्ण से जोड़कर देखा जाता है।नीले रंग का कपड़ा पहनने से मानसिक शांति मिलती है, साथ ही जीवन की अन्य परिस्थितियों में भी संतुलन बना रहता है।हरे रंग को हरियाली से जोड़कर देखा जाता है। साथ ही हरे रंग को खुशहाली का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में जन्माष्टमी के दिन अगर आप हरे रंग का कपड़ा पहते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा हमेशा बनी रहती है।जन्माष्टमी पर लाखों कृष्ण भक्त मंदिर में ठाकुर जी के बाल रूप के दर्शन करने पहुंचते हैं। मथुरा और वृंदावन में तो जन्माष्टमी की धूम रहती है। जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का प्रतीक है, जो अधर्म पर धर्म की विजय और प्रेम, भक्ति, और ज्ञान का संदेश देता है।जन्माष्टमी पर गायन है,नन्द के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की।श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, जन्माष्टमी के उत्सव की शुरूआत 26 अगस्त को सुबह 5.30 बजे मंगला आरती से होगी। इसके बाद, सुबह 8.00 बजे भगवान का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। रात्रि 11.00 बजे से मुख्य कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा, जिसमें श्रीकृष्ण के जन्म की महाआरती का आयोजन विशेष आकर्षण होगा। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों को भव्य रूप से सजाया गया है, जिससे श्रद्धालु यहां आकर आस्था और भक्ति के वातावरण में डूब सकें।

वृंदावन, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली कहा जाता है, में जन्माष्टमी का पर्व 27 अगस्त को मनाया जाएगा। वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होगा। बांके बिहारी मंदिर में जन्माष्टमी के दिन ही विशेष मंगला आरती की जाती है, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।जन्माष्टमी की रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का बाला महाभिषेक किया जाएगा, जो कि करीब 2 घंटे तक चलेगा। यह अभिषेक केवल एक बार, इसी दिन किया जाता है। इसके बाद ठाकुर जी को पीतांबरी पोशाक और चिरौंजी मेवे से बनी पंजीरी का भोग लगाया जाएगा। इस महाभिषेक और मंगला आरती को देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ेगी, जिससे पूरे वृंदावन का वातावरण भक्तिमय हो जाएगा।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

चुनाव और राजनीति

शासित प्रदेश जम्मूझ्रकश्मीर में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक यहां दो महत्त्वपूर्ण राजनीतिक घटनाएं हुई हैं जो किसी-न-किसी रूप में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने वाले साबित हो सकते हैं। पहला राम माधव की भाजपा की मुख्यधारा की राजनीति में वापसी और दूसरा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की जम्मू-कश्मीर की यात्रा। आतंकवाद से पीड़ित इस सूबे में एक दशक बाद चुनाव होने जा रहा है। 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 25 सीटों पर विजय हासिल थी। पार्टी के लिए यह भारी जीत थी क्योंकि 2008 के चुनाव में उसे केवल 11 सीटें मिली थीं। 2014 के चुनाव में भाजपा को जो जीत हासिल हुई थी उसका श्रेय राम माधव को दिया गया था। वह तब सूबे के चुनाव प्रभारी थे। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीड़ीपी) के साथ भाजपा के गठबंधन का सूत्रधार भी उन्हें ही माना जाता है। उनकी इसी प्रतिभा के कारण शायद भाजपा ने फिर से उन्हें सूबे का चुनाव प्रभारी बनाया है। संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद सूबे की प्रकृति काफी बदल गई है। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश है और परिसीमन के बाद विधानसभा की सीटें बढ़कर 90 हो गई हैं। जम्मू संभाग में पहले ३७ सीटें थीं, जो अब बढ़कर 43 हो गई हैं। कश्मीर घाटी में 47 सीटें हैं। सूबे में पहली बार अनुसूचित जनजाति के लिए 9 सीटें आरक्षित हैं। जाहिर है अब नई तरह की परिस्थितियां हैं ऐसे में सभी राजनीतिक दलों को नई चुनौतियों का सामना करना होगा। राहुल गांधी की कश्मीर यात्रा के बाद कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के बीच चुनावी गठबंधन को लेकर जो धुंध की चादर पड़ी हुई थी वह छंट गई है। फारुख ने अनु. 370 बहाल करने की बात कही जबकि राहुल ने इसका जिक्र नहीं किया। अलबत्ता दोनों ने राज्य का दर्जा बहाल करने को प्राथमिकता बताया। चुनाव परिणामों की दृष्टि से देखा जाए तो घाटी में भाजपा की स्थिति कमजोर है जबकि जम्मू संभाग में कांग्रेस, एनसी और पीड़ीपी का जनाधार मजबूत नहीं है। यह सुनिश्चित है कि सूबे में किसी एक दल को बहुमत नहीं मिलने वाला।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी।

ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- ह्यबोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

शासन और प्रशासन के सामने न्यायपालिका का समर्पण?

सनत जैन

पिछले कुछ वर्षों से सरकार और प्रशासन के निर्देश पर तुरंत दान महाकल्याण की तरह, घटनास्थल पर ही फैसला करने की प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। भीड़तंत्र भी सरकार और प्रशासन से जो चाहता है वह करा लेता है। कानून के नाम पर शासन और प्रशासन को जो अधिकार मिले हैं यदि उनके द्वारा इनका दुरुपयोग किया जाता है तो ऐसी स्थिति में जनता का विश्वास शासन और प्रशासन पर खत्म होने लगता है। शासन और प्रशासन अपने ही बनाए गए कानून का पालन नहीं कर रहे हैं। न्यायपालिका के अधिकारों का उपयोग प्रशासन खुलकर करने लगा है। इसके बाद भी भारत की न्यायपालिका मौन साध करके तमाशा देख रही है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा रहा है, न्यायपालिका ने सरकार और प्रशासन के सामने समर्पण कर दिया है। भारत में संविधान लागू है। किसी भी मामले में विवाद अथवा अपराध होने पर जांच एजेंसी जांच करती हैं। जांच करने के बाद न्यायालय में मामले को पेश करती हैं। फैसला न्यायपालिका को ही करना होता है। शासन को कानून और नियम बनाने का अधिकार है। संविधान के दायरे में नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए, कानून और नियम बनाने के अधिकार सरकार के पास हैं। सरकार द्वारा बनाए गए कानून और नियमों का पालन कराने का अधिकार संविधान ने प्रशासन को दिया है। कानून का उल्लंघन करने के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। फैसला न्यायालय ही कर सकती है। फैसला करने का अधिकार शासन और प्रशासन को नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में बुलडोजर संस्कृति और भीड़तंत्र तुरत-फुरत फैसला कर रहा है। शासन और प्रशासन किसी को भी अपराधी घोषित कर, कुछ ही घंटों में उसके मकान और संपत्ति को बुलडोजर से गिरा देती है। एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे परिवार को बिना किसी अपराध के दे देती है। अपराध व्यक्ति द्वारा किया गया है। जांच किए बिना एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे परिवार को देने की बुलडोजर संस्कृति उत्तर प्रदेश से शुरू हुई थी। जो अब कई राज्यों में फैल गई है। विशेष बात यह है, कि एक धर्म समुदाय के लोगों पर ही इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। राजनीतिक कारणों से अभी कोई विपक्षी दलों के राजनेता इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं देते थे, लेकिन जिस तरह से आए दिन बुलडोजर से घटना के कुछ ही घंटे बाद आरोपी की संपत्ति और उसके मकान को गिराया जा रहा है। उसकी प्रतिक्रिया अब पूरे देश में हो रही है। हाल ही में मध्य प्रदेश के छतरपुर में जिस तरह की घटना हुई है। उस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। आरोपी का करोड़ों रुपए की लागत का मकान एवं अन्य संपत्ति को अतिक्रमण मानते हुए बुलडोजर से ढहाया गया है। जिस मकान को गिराया गया है, उसको बनाने के लिए बैंक ने लोन दिया था। बैंक ने सारे कागज सर्च किए थे। सारी परमिशन उसके पास थी, उसके बाद भी शासन और प्रशासन की नाराजगी के चलते आरोपी का मकान गिरा दिया गया। वहां पर जो गाड़ियां खड़ी थीं, उन्हें बुलडोजर से तोड़ दिया गया। यह घटना टीवी पर दिखाई गई। इस घटना के माध्यम से शासन और प्रशासन ने एक धर्म समुदाय के लोगों को आतंकित करने का काम किया है। अब इसकी जो जानकारी सामने आई है, उसके बाद विपक्षी दलों ने इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विरोध जताया है। बुलडोजर एक्शन पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, दिग्विजय सिंह और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश सिंह ने कार्यवाही का विरोध किया है। विपक्षी दल के नेताओं ने कहा, अपराध पर सजा देने का काम न्यायालयों का है। पुलिस द्वारा मामले की जांच नहीं की गई और आरोपी का मकान गिरा दिया गया। सही मायने में यह अन्याय की पराकाष्ठा है। कानून के रखवाले ही यदि कानून को तोड़ने का काम कर रहे हैं। संविधान, लोकतंत्र और मानवता का पालन नहीं कर रहे हैं। अपने ही बनाए गए कानून और नियमों का पालन नहीं करके आम जनता को आतंकित कर रहे हैं। शासन और प्रशासन की देखा-देखी भीड़ भी मौके पर न्याय करने लगी है। भीड़ सरेआम लोगों की हत्या कर रही है। देश में कई मावलीचिंग की घटनाएं हो चुकी हैं। इस तरह की घटनाओं में कई लोग मारे जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में घटना के तुरंत बाद सैकड़ों आरोपियों के मकान पिछले कुछ समय से तोड़े जा रहे हैं। आरोपी के परिवार को घर से बेघर कर दिया गया है। इस तरह की घटनाओं पर अब विपक्ष ने तो मोर्चा संभाला है। अदालतों के अधिकारों का उपयोग प्रशासन करने लगा है। शासन और प्रशासन न्यायपालिका और उसके आदेशों को ठेंगा दिखा रहे हैं। ऐसी स्थिति में न्यायपालिकाएं अपने अस्तित्व की रक्षा कैसे कर पाएंगी? इसे आसानी से समझा जा सकता है। जब आदमी हर तरह से हार जाता है, तब वह न्यायालय और मीडिया की शरण में जाता है। यदि न्यायालय पर आम आदमी का विश्वास खत्म हो गया। तो, जो स्थिति हाल ही में बांग्लादेश और श्रीलंका में देखने को मिली है, वह भारत में भी जल्द ही देखने को मिल सकती है। अन्याय अब पराकाष्ठा पर पहुंच गया है। जब आम नागरिकों का न्याय व्यवस्था को लेकर विश्वास खत्म हो जाता है। शासन और प्रशासन पर भी विश्वास नहीं रहता है। तभी नक्सलवाद, आतंकवाद और फूलन देवी जैसे डकैत पैदा होते हैं। बांग्लादेश, श्रीलंका ही क्यों 1917 में रूस की जार क्रांति भी जनरोष के कारण ही तो हुई थी। जब-जब इस तरह की स्थिति बनती है, तब-तब जनता ही न्याय करने लगती है। अराजकता की यह स्थिति तब बनती है, जब जनता का न्याय व्यवस्था और राजा के ऊपर विश्वास खत्म हो जाता है। समय रहते न्यायपालिका को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी को समझना होगा। यदि विलंब हुआ तो न्यायपालिका के अस्तित्व पर भी संकट खड़ा होना तय है। भारत की संवैधानिक व्यवस्था में न्याय करने का अधिकार केवल और केवल न्यायपालिका के पास है।

महिला समानता दिवसः महिलाओं को समानता एवं सक्षमता के पंख देने होंगे

ललित गर्ग

दुनिया भर में, महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा से लेकर राजनीति और आर्थिक भागीदारी तक विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक असमानताओं को दूर करने के प्रयासों को तीव्र गति देने के लिये महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है। सन 1920 में इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन स्वीकार किया गया था। यह दिन महिलाओं को पुरुषों के समान मानने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। न्यूजीलैंड विश्व का पहला देश है, जिसने 1893 में महिला समानता की शुरूआत की। महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने वाली एक महिला वकील बेल्ला अब्जुग के प्रयास से 1971 से 26 अगस्त को ह्यमहिला समानता दिवसह्ल के रूप में मनाया जाने इस वर्ष की थीम है समता को अपनाएं, जो न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उन्नति के लिए बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व पर केन्द्रित है। यह व्यापक मानवाधिकारों और सतत विकास के साथ लैंगिक समानता के परस्पर संबंध पर जोर देता है।

महिला समानता दिवस से जुड़ा हुआ रंग बैंगनी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, बैंगनी रंग महिलाओं और लैंगिक समानता का प्रतीक है। यह न्याय और गरिमा का प्रतिनिधित्व करता है, और अक्सर दूरदर्शी सोच और महिलाओं के अधिकारों के लिए चल रही लड़ाई को दर्शाने के लिए उपयोग किया जाता है। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज हमें महिला समानता दिवस मनाये जाने की आवश्यकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता के कारण महिला समानता ज्यादा अपेक्षित है। भारत ने महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार पुरुषों के बराबर दिया, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में काफी प्रगति देखी गयी है, खासकर शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे क्षेत्रों में। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम-2023 के माध्यम से नारी शक्ति को राजनीति में समानता देने की शुरूआत हुई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी पहलों ने समाज में महिलाओं और लड़कियों की स्थिति को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके अतिरिक्त, कार्यबल और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इन प्रगतियों के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भारत में लैंगिक असमानता अभी भी व्याप्त है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहाँ महिलाओं को अक्सर शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक वेतन अंतर जैसे मुद्दे समानता की दिशा में प्रगति में बाधा डालते रहते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता हासिल करना भारत सहित विश्व भर में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। समान कार्य के लिए समान वेतन को बढ़ावा देने वाली नीतियों के माध्यम से इस असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। क्योंकि देश में ऐसी महिलाएं नजर आती हैं, जो सभी प्रकार के भेदभाव के बावजूद प्रत्येक क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर चुकी हैं और सभी उन पर गर्व भी महसूस करते हैं। परन्तु इस कतार में उन सभी महिलाओं को भी शामिल करने की जरूरत है, जो हर दिन अपने घर में और समाज में महिला होने के कारण असमानता, अत्याचार एवं उपेक्षा को झेलने के लिए विवश है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है, परन्तु इन सभी के बीच वे महिलाएं जो अपने ही घर में सिर्फ इसीलिए प्रताड़ित हो रही हैं, क्योंकि वह एक औरत है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट ह्यटाइम टू केयरह्न में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों? दरअसल, इस तरह के हालात की वजह सामाजिक एवं संकीर्ण सोच रही है। पितृसत्तात्मक समाज-व्यवस्था में आमतौर पर सत्ता के केंद्र पुरुष रहे और श्रम और संसाधनों के बंटवारे में स्त्रियों को हाशिये पर रखा गया है। सदियों पहले इस तरह की परंपरा विकसित हुई, लेकिन अफसोस इस बात पर है कि आज जब दुनिया अपने आधुनिक और सभ्य होने का दावा कर रही है। एक बड़ा प्रश्न है कि आखिर कब तक सभी वंचनाओं, महामारियों एवं राष्ट्र-संकटों की गाज स्त्रियों पर गिरती रहेगी।

जहां देश में प्रधानमंत्री के पद पर इंदिरा गांधी और वर्तमान में राष्ट्रपति के पद पर द्रोपदी मुर्मू हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी राज्य की बागडोर संभाल रही हैं। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष भी एक महिला मायावती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को तो विश्व की ताकतवर महिलाओं में शुमार किया ही जा चुका है। पूर्व में लोकसभा में विपक्ष की नेता के पद पर सुषमा स्वराज और लोकसभा अध्यक्ष के पद पर मीरा कुमार ने भी महिला के गौरव को बढ़ाया हैं। कॉरपोरेट सेक्टर, बैंकिंग सेक्टर जैसे क्षेत्रों में इंदिरा नूई और चंदा कोचर जैसी महिलाओं ने अपना लोहा मनवाया है। वर्तमान में निर्मला सीतारमण सहित अनेक महिलाओं ने राजनीति में अपनी छाप छोड़ रही है। हमारी सेना में महिलाओं की यथोचित भागीदारी उसे ज्यादा शालीन, सामाजिक, योग्य और कारगर ही बनाएगी।

युगों से आत्मविस्मृत महिलाओं को अपनी अस्मिता और कर्तृत्वशक्ति का तो अहसास हुआ ही है, साथ ही उसकी व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व चेतना में क्रांति का ऐसा ज्वालामुखी फूटा है, जिससे भेदभाव, असमानता, रूढ़संस्कार जैसे उन्हें कमतर समझने की मानसिकता पर प्रहार हुआ है। पुरुषवर्ग महिलाओं को देह रूप में स्वीकार करता है, किन्तु आधुनिक महिलाओं ने अपनी विविधआयामी प्रतिभा एवं कौशल के बल पर उनके सामने मस्तिष्क एवं शक्ति बनकर अपनी क्षमताओं का परिचय दिया है, वही अपने प्रति होने वाले भेदभाव का जबाव सरकार, समाज एवं पुरुषों को देने में सक्षम है, महिला समानता दिवस यदि उनकी सक्षमता को पंख दे रहा है तो यह जागरूक एवं समानतामूलक विश्व-समाज की संरचना का अभ्युदय है।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है।

सोलह कलाओं के अवतार हैं
श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं का अवतार माना जाता है। सच में कृष्ण ने समाज के छोटे से छोटे व्यक्ति का सम्मान बढ़ाया, जो जिस भाव से सहायता की कामना लेकर कृष्ण के पास आया, उन्होंने उसी रूप में उसकी इच्छा पूरी की। अपने कार्यों से उन्होंने लोगों का इतना विश्वास जीत लिया कि आज भी लोग उन्हें 'भगवान श्रीकृष्ण' के रूप में ही मानते और पूजते हैं।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है। कृष्ण ने सारी दुनिया को कर्मयोग का पाठ पढ़ाया। उन्होंने प्राणीमात्र को यह संदेश दिया कि केवल कर्म करना आदमी का अधिकार है। फल की इच्छा रखना उसका अधिकार नहीं। इंसान सुख और दुख दोनों में भगवान का स्मरण करता है। श्रीकृष्ण का जीवन भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उनके जीवन को हम तीन भागों में विभक्त करें तो वे जेल में पैदा हुए, महल में जिए और जंगल से विदा हुए। जेल में पैदा होना बुरी बात नहीं है, जेल में जीना और मरना अपराध हुआ करता है। आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। भगवान श्रीकृष्ण, मर्यादा पुरुषोत्तम राम और भगवान महावीर आदि महापुरुषों ने हमें जीवन जीने की सीख दी है। राम, कृष्ण एवं महावीर का जीवन अलग-अलग मर्यादाओं और संदेशों पर आधारित है। राम ने जीवन भर मर्यादाएं नहीं तोड़ीं, वे देव बनकर जिए। श्रीकृष्ण वाकपुटता में जीवन जीते रहे। मर्यादाओं से नीरस हुए जीवन को कृष्ण ने रस और आनंद से भर दिया, लेकिन महावीर ने परम विश्राम और समाधि का सूत्र दिया। उन्होंने मौन साधना सिखाई। मित्रता सीखनी हो तो कृष्ण से सीखो वे सबको अपने समान चाहते थे। उनकी दृष्टि में अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं था। अतः हमें भी कृष्ण की इसी सीख को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

व्रत-पूजन कैसे करें

उपवास की पूर्व रात्रि को हल्का भोजन करें और ब्रह्मचर्य का पालन करें।

उपवास के दिन प्रातःकाल स्नानादि नित्य कर्मों से निवृत्त हो जाएं।

तत्पश्चात सूर्य, सोम, यम, काल, संधि, भूत, पवन, दिक्पति, भूमि, आकाश, खेचर, अमर और ब्रह्मादि को नमस्कार कर पूर्व या उत्तर मुख बैठें।

इसके बाद जल, फल, कुश और गंध लेकर संकल्प करें

ममखिलपापप्रशमनपूर्वक सर्वाभीष्ट सिद्धये श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतमहं करिष्ये॥

अब मध्याह्न के समय काले तिलों के जल से स्नान कर देवकीजी के लिए सूतिकागृह नियत करें।

तत्पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

मूर्ति में बालक श्रीकृष्ण को स्तनपान कराती हुई देवकी हों और लक्ष्मीजी उनके चरण स्पर्श किए हों अथवा ऐसे भाव हो।

इसके बाद विधि-विधान से पूजन करें

पूजन में देवकी, वसुदेव, बलदेव, नंद, यशोदा और लक्ष्मी इन सबका नाम क्रमशः निर्दिष्ट करना चाहिए।

फिर इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पण करें-

प्रणमे देव जननी त्वया जातस्तु वामनः।
वसुदेवात तथा कृष्णो नमस्तुभ्यं नमो नमः।
सुपुत्रार्घ्यं प्रदत्तं में गृहाणेमं नमोऽस्तुते।

अंत में प्रसाद वितरण कर भजन-कीर्तन करते हुए रतजगा करें।

श्रीकृष्ण बना रहे
मालामाल

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट शृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं।

भगवान श्रीकृष्ण दीन दयाल कहलाते हैं। जो भी इनकी शरण में आ जाता है, उसे धनवान बना देते हैं। श्रीकृष्ण की कृपा से हिंदू हमेशा से धनवान होते रहे हैं, लेकिन श्रीकृष्ण की लीलास्थली में मुसलमान भी श्रीकृष्ण की कृपा से निहाल हो रहे हैं और श्रीकृष्ण उन्हें मालामाल बना रहे हैं।

ऐसे कृपा बरस रही है कृष्ण की

वृंदावन के मुसलमानों को श्रीकृष्ण इसलिए मालामाल बन रहे हैं कि यहां के मुसलमान हिंदुओं की आस्था के केंद्र ठाकुर जी के लिए पूरी निष्ठा के साथ एक से बढ़कर एक शानदार पोशाकें, मुकुट शृंगार तैयार कर रहे हैं।

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट शृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं। कई परिवार वर्षों से ठाकुरजी की पोशाक और मुकुट शृंगार को मूर्त रूप प्रदान करते आए हैं। यह हमारी जीविका का साधन भी है। सैकड़ों मुस्लिम परिवारों का पालन ठाकुरजी की पोशाक और शृंगार के निर्माण से चल रहा है।

विदेशों में भी इनके कपड़े पहनते हैं श्रीकृष्ण

वृंदावन के मुस्लिम समाज द्वारा बनाई गई पोशाक गुजरात के अहमदाबाद स्थित अक्षरधाम के राधा-कृष्ण के श्री विग्रह और दिल्ली एवं पंजाबी बाग के इस्कान मंदिर के श्री विग्रह धारण करेंगे। वृंदावन में बनाई जाने वाली पोशाकों की मांग इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया के भारतीय मूल के लोगों के अलावा विदेशी भी अधिक पसंद करते हैं। वे वृंदावन से खरीदकर अपने अपने देश ले जाते हैं।

राधा और कृष्ण का आपस में
कैसा नाता

भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के बारे में यह माना जाता है कि इन दोनों के बीच प्रेम संबंध था, जबकि असलियत यह है कि कृष्ण और राधा के बीच प्रेम से बढ़कर भी एक नाता था। यह नाता है पति-पत्नी का, लेकिन इस रिश्ते के बारे में सिर्फ़ तीन लोगों को पता था- एक तो कृष्ण, दूसरी राधा रानी और तीसरे ब्रह्मा जी, जिन्होंने कृष्ण और राधा का विवाह करवाया था, लेकिन इन तीनों में आपके कोई भी इस बात की गवाही देने नहीं आएगा, लेकिन जिस स्थान पर इन दोनों का विवाह हुआ था, वहां के वृक्ष आज भी राधा-कृष्ण के प्रेम और मिलन की गवाही देते हैं।

तब राधा-कृष्ण का विवाह संपन्न हुआ

गर्ग संहिता के अनुसार, मथुरा के पास स्थित भांडीर वन में भगवान श्रीकृष्ण और देवी राधा का विवाह हुआ था। इस संदर्भ में कथा है कि एक बार नंदराय जी बालक श्रीकृष्ण को लेकर भांडीर वन से गुजर रहे थे। उसी समय अचानक देवी राधा प्रकट हुई। देवी राधा के दर्शन पाकर नंदराय जी ने श्रीकृष्ण को राधा जी की गोद में दे दिया। श्रीकृष्ण बाल रूप त्याग कर किशोर बन गए। तभी ब्रह्मा जी भी वहां उपस्थित हुए। ब्रह्मा जी ने कृष्ण का विवाह राधा से करवा दिया। कुछ समय तक कृष्ण राधा के संग इसी वन में रहे। फिर देवी राधा ने कृष्ण को उनके बाल रूप में नंदराय जी को सौंप दिया।

राधा जी की मांग में सिंदूर

भांडीर वन में राधाजी और भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बना हुआ है। इस मंदिर में स्थित विग्रह अपने आप अनोखा है, क्योंकि यह अकेला ऐसा विग्रह है, जिसमें श्रीकृष्ण भगवान राधाजी की मांग में सिंदूर भरते हुए दृश्य हैं।

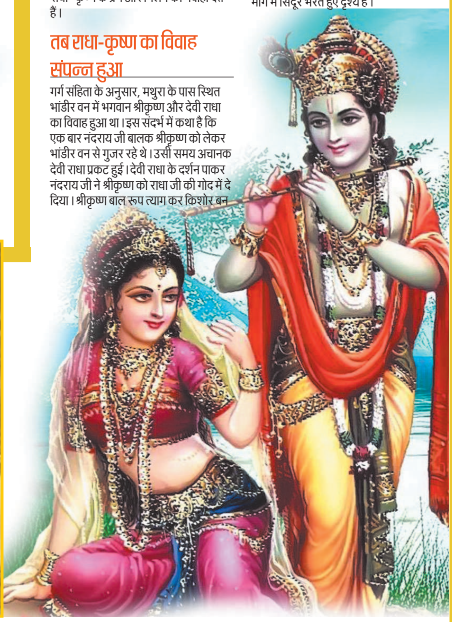

भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश

गीता के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अनासक्त कर्म यानी 'फल की इच्छा किए बिना कर्म' करने की प्रेरणा दी। इसका प्रमाण उन्होंने अपने निजी जीवन में भी प्रस्तुत किया। मथुरा विजय के बाद भी उन्होंने वहां शासन नहीं किया।

कला से प्रेम करो : संगीत और कलाओं का हमारे जीवन में विशिष्ट स्थान है। भगवान ने मोरपंख और बांसुरी धारण करके कला, संस्कृति एवं पर्यावरण के प्रति अपने लगाव को दर्शाया। इनके जरिए उन्होंने संदेश दिया कि जीवन को सुंदर बनाने में संगीत और कला का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

निर्बल का साथ दो : कमजोर एवं निर्बल का सहारा बनो। निर्धन बाल सखा सुदामा हो या षड्यंत्र का शिकार पांडव, श्रीकृष्ण ने सदा निर्बलों का साथ दिया और उन्हें मुसीबत से उबारा।

अन्याय का प्रतिकार करो : अन्याय का सदा विरोध होना चाहिए। श्रीकृष्ण की शांतिप्रियता कायर की नहीं, बल्कि एक वीर की थी। उन्होंने अन्याय कभी स्वीकार नहीं किया। शांतिप्रिय होने के बावजूद शत्रु अगर गलत है तो उसके शमन में पीछे नहीं हटें।

मातृशक्ति के प्रति आदर भाव रखें : महिलाओं के प्रति सम्मान और उन्हें साथ लेकर चलने का भाव हो। भगवान कृष्ण की रासलीला दरअसल मातृशक्ति को अन्याय के प्रति जागृत करने का प्रयास था और इसमें राधा उनकी संदेशवाहक बनीं।

अपने अहंकार को छोड़ो : व्यक्तिगत जीवन में हमेशा सहज एवं सरल बने रहो। जिस तरह शक्ति संपन्न होने पर भी श्रीकृष्ण को न तो युधिष्ठिर का दूत बनने में संकोच हुआ और न ही अर्जुन का सारथी बनने में। एक बार तो दुर्योधन के छप्पन व्यंजन को छोड़कर विदुरानी (विदुर की पत्नी) के घर उन्होंने सादा भोजन करना पसंद किया।

जीवन में उदारता रखें : उदारता व्यक्तित्व को संपूर्ण बनाती है। श्रीकृष्ण ने जहां तक हो सका मित्रता, सहयोग सामंजस्य आदि के बल पर ही परिस्थितियों को सुधारने का प्रयास किया, लेकिन जहां जरूरत पड़ी, वहां सुदर्शन चक्र उठाने में भी उन्होंने संकोच नहीं किया। वहीं अपने निर्धन सखा सुदामा का अंत तक साथ निभाया और उनके चरण तक पखारें।

कविताएं

चन्दन की खुशबू, फूलों का हार

चन्दन की खुशबू, फूलों का हार,
दही की हांडी, बारीश की फुहार,
माखन चुराने आया नंदलाल,
यशोमती मैया का नंदगोपाल !

राधा की भक्ति, मुरली की मिठास,
माखन का स्वाद और गोपियों का रास,
इन्ही सबसे मिलकर बनता है,
जन्माष्टमी का ये दिन ख़ास !

मुरली मनोहर, ब्रिज के धरोहर,
मुरली की मधुर आवाज़, झूम उठे ये बहार,
कृष्ण जिनका नाम, गोकुल जिनका धाम,
श्री कृष्ण भगवान को हम सबका प्रणाम !

कान्हा

द्वापर में भादों के महीने में
काली अंधेरी रात में
जन्म लिया कान्हा ने
मथुरा में कारागार के कक्ष में।
था दिवस चमत्कारी
सारे बंधन टूट गए
द्वार के ताले स्वत: खुले
जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।
बेटे को बचाने के लिए
गोकुल जाने के लिए
वासुदेव ने जैसे ही
जल में पैर धरा
जमुना की श्रद्धा ऐसी जागी
बाढ़ आ गई नदिया में।
बाहर पैर आते ही
कान्हा के पैरों को पखारा
जैसें ही छू पाया उन्हें
अद्भुत शांति छाई जल में।
सारा गोकुल धन्य हो गया
कान्हा को पा बाहों में
गोपिया खो गईं
मुरली की मधुर धुन में।
बंधीं प्रेम पाश में उसके
रम कर रह गईं उसी में
ज्ञान उद्धव का धरा रह गया
उनको समझाने में।
वे नहीं जानती थीं उद्देश्य
कृष्ण के जाने का
कंस के अत्याचारों से
सब को बचाने का ।
अंत कंस का हुआ
सुखी समृद्ध राज्य हुआ
कौरव पांडव विवाद में
मध्यस्थ बने सहायता की ।
सच्चाई का साथ दिया
युद्ध से विचलित अर्जुन को
गीता का उपदेश दिया
आज भी है महत्व जिसका।
जन्म दिन कान्हा का
हर साल मनाते हैं
श्रद्धा से भर उठाते हैं
जन्माष्टमी मनाते हैं ।

कोलकाता डॉक्टर मामले पर बोले जॉन अब्राहम

कोलकाता में डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी के बाद देशभर के लोगों में गुस्सा है। फिल्मी कलाकार भी इस मामले पर खुलकर बोल रहे हैं। इसी सिलसिले में ताजा नाम जॉन अब्राहम का है, जो आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुई घटना से काफी दुखी हैं। उन्होंने एक हालिया साक्षात्कार में महिला सुरक्षा को लेकर अपनी ओर से सुझाव दिया है।

लड़कों को दी अच्छा व्यवहार करने की सलाह

जॉन अब्राहम का कहना हैं कि माता-पिता को अपने बेटों को सही ढंग से व्यवहार करने के बारे में सिखाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी के स्वर में लड़कों से अच्छा बर्ताव करने को कहा। साथ ही मां-बाप से लड़कों की अच्छी परवरिश करने की भी उम्मीद जताई।

मैं लड़कियों को कुछ नहीं कहूंगा

जॉन अब्राहम ने यह सब सुझाव रेडियो नशा को दिए एक हालिया साक्षात्कार में साझा किए। जॉन ने कहा कि वो लड़कियों को कुछ भी नहीं कहेंगे, क्योंकि उनकी गलती ही क्या है? बता दें कि ये पहला मौका नहीं है, जब जॉन अब्राहम ने महिला सुरक्षा को लेकर खुलकर अपनी बात रखी हो। उन्होंने रणवीर इलाहाबादिया के पॉडकास्ट में कहा था कि भारतीय पुरुषों को इस बात को समझना चाहिए कि उन्हें महिलाओं के साथ किस तरह का व्यवहार करना चाहिए।

बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष कर रही है वेदा इन दिनों जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा सिनेमाघरों में चल रही है। यह फिल्म जातिगत भेदभाव के मुद्दे पर बात करती है। इसमें शरवरी और अभिषेक बनर्जी ने भी अहम रोल अदा किया है। इसका निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती हुई दिख रही है। फिल्म ने अभी तक 17 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन किया है।

जी ले जरा-फैशन 2 की शूटिंग के लिए मुंबई लौटीं प्रिंयका चोपड़ा?

बॉलीवुड देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा बेहद ही स्टाइलिश लुक में मुंबई एयरपोर्ट पहुंचीं। उनको वापस भारत में देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं, साथ ही वह यह कयास लगा रहे हैं कि क्या वह फिल्म जी ले जरा या फिर फैशन 2 की शूटिंग के लिए मुंबई लौटी हैं। मुंबई एयरपोर्ट पर प्रियंका चोपड़ा का स्टाइलिश लुक हर किसी को पसंद आया। एयरपोर्ट से बाहर निकलती हुई प्रियंका मुस्कुराती हुई नजर आईं। उनका यह लुक उनके प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। इन दिनों प्रियंका चोपड़ा अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। हाल ही में प्रियंका ने फिल्म द ब्लफ की शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में खत्म की थी। उनके प्रशंसकों का कहना है कि प्रियंका मुंबई इसलिए वापस लौटीं ताकि वह अपनी बॉलीवुड फिल्म जी ले जरा की शूटिंग शुरू कर सकें। हालांकि कुछ प्रशंसकों का कहना है कि क्या प्रियंका निर्देशक मधुर भंडारकर की फिल्म फैशन 2 में आने वाली हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हाल ही में मधुर अभिनेत्री से मिलने उनके घर लॉस एंजेलिस गए थे।

हाल ही में लॉस एंजेलिस से फैशन डायरेक्टर मधुर भंडारकर के साथ उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। अभिनेत्री-निर्देशक की यह जोड़ी लंबे समय के बाद मिली और दोनों के बीच कुछ चर्चाएं भी हुईं। हालांकि यह बात साफ नहीं हो पाया है कि मुधर किसी बॉलीवुड प्रोजेक्ट के सिलसिले में प्रियंका से मिले थे या यह सिर्फ एक मुलाकात ही थी। मधुर ने तस्वीर साझा करते हुए लिखा था, लॉस एंजेलिस में अपने शानदार घर पर टेलेंटेड प्रियंका चोपड़ा से मिलना और आकर्षक चर्चा में शामिल होना बहुत खुशी की बात थी। वहीं इन दोनों की साथ में तस्वीरे के बाद प्रशंसक फैशन 2 के आने के बारे में कमेंट करते नजए आए। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में द ब्लफ की शूटिंग पूरी की है, जिसके लिए वह ऑस्ट्रेलिया में शूटिंग कर रही थीं। इस फिल्म में प्रियंका के अलावा कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और वेदांतन नायडू भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा प्रियंका फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट की शूटिंग पूरी कर चुकी हैं। इस फिल्म में उनके साथ इदरीस एल्बा, जॉन सीना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रियंका के बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स की बात करें तो, कथित तौर पर निर्देशक फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा में प्रियंका के साथ कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। हालांकि अभी तक इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी जैकलीन फर्नांडिस

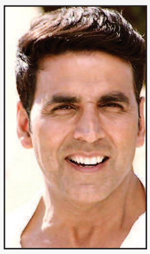

हिंदी सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित फैंचाइज़, हाउसफुल 5, लम्बे समय से चर्चाओं में हैं। अब यह फिल्म फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है। बताया जा रहा है कि आगामी माह से यह फिल्म शूटिंग शुरू कर रही है। निर्माता साजिद नाडियाडवाला की इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ फरदीन खान, रितेश देशमुख और संजय दत्त मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। 300 करोड़ के भारी भरकम बजट में बनने वाली यह अब तक की सबसे महंगी हाउसफुल फिल्म है और निर्माता कास्टिंग के साथ इस फैंचाइज़ को और भी बड़ा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। फिल्म का नेतृत्व करने के लिए शीर्ष ए लिस्ट अभिनेताओं को चुनने के बाद, साजिद नाडियाडवाला ने जैकलीन फर्नांडीज को हाउसफुल 5 की मुख्य महिला कलाकारों में से एक के रूप में चुना है। प्राप्त समाचारों के अनुसार जैकलीन को हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार के साथ जोड़ा गया है। बताया जा रहा है कि, जैकलीन हाउसफुल फैंचाइज़ में वापसी को लेकर उत्साहित हैं। उन्हें कॉमिक स्पेस पसंद है और वह साजिद नाडियाडवाला और हाउसफुल फैंचाइज़ के साथ अपना जुड़ाव जारी रखने को लेकर उत्साहित हैं। सूत्र ने आगे बताया कि साजिद फिल्म में शामिल होने के लिए तीन अन्य शीर्ष अभिनेत्रियों से बातचीत कर रहे हैं और जल्द ही आधिकारिक घोषणा की जाएगी। हाउसफुल 5 जून 2025 में रिलीज होगी और इसका निर्देशन तरुण मनसुखानी करेंगे।

छावा में औरंगजेब के रूप में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

कुछ दिन पूर्व विक्की कौशल के अभिनय से सजी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म छावा का टीजर जारी किया गया था। इस टीजर में युद्ध के कुछ दृश्य थे जिनमें सिर्फ विक्की कौशल नजर आ रहे थे। टीजर के अंत में दो क्षण के फिल्म का दूसरा मुख्य किरदार नजर आया जो मुस्लिम बादशाह के रूप में था। इस किरदार ने अपनी दो क्षण की उपस्थिति में वो चर्चा पाई है जो विक्की कौशल भी नहीं पा सके हैं। सब तरफ यह बात हो रही है कि यह अदाकार कौन है?

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म छावा इस समय काफी चर्चा में है। फिल्म की कहानी मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है, जिसमें विक्की कौशल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, लेकिन इस फिल्म में औरंगजेब के किरदार को लेकर भी काफी उत्सुकता है।

फिल्म छावा में मुगल बादशाह औरंगजेब के किरदार के लिए सीनियर एक्टर अक्षय खन्ना को चुना गया है, जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं और अपने करियर में कई आइकॉनिक किरदार निभा चुके हैं। छावा पिछले काफी समय से चर्चा में है। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था, जिसमें विक्की कौशल फुल एक्शन मोड में नजर आए थे, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान अक्षय खन्ना ने खींचा क्योंकि टीजर में उन्हें पहचान पाना मुश्किल था। छावा के टीजर के आखिर में अक्षय थोड़ी देर के लिए औरंगजेब के किरदार में नजर आए, लेकिन उनका लुक और एक्टिंग ऐसी है कि इत्तेफाक एक्टर को पहचानने के लिए दोबारा टीजर देखना पड़ सकता है। छावा के साथ दर्शक अक्षय खन्ना को औरंगजेब के किरदार में एक नए अवतार में देख पाएंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह इस ऐतिहासिक किरदार को किस तरह जीवंत करते हैं। छावा का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है और हर कोई इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उटेकर कर रहे हैं। फिल्म में साउथ की सनसनी रश्मिका मंदाना के साथ विक्की कौशल और अक्षय खन्ना भी हैं।

शादी के लिए इटली रवाना हुई एमी जैक्सन

सिंह इज ब्लिंग फेम बॉलीवुड एक्ट्रेस एमी जैक्सन शादी करने जा रही हैं। वह मंगेतर और ब्रिटिश एक्टर एड वेस्टविक से दो साल डेटिंग के बाद शादी कर रही हैं। एमी अपने बेटे एंड्रियास और मंगेतर के साथ प्राइवेट जेट से इटली रवाना हो गई हैं। इस कपल ने इटली के अमाल्फी कोस्ट को वेडिंग वेन्यू चुना है। एमी जैक्सन ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह मंगेतर एड, अपने होने वाले ससुराल वालों और अपने बेटे एंड्रियास के साथ उड़ान भरती नजर आ रही हैं। एमी जैक्सन ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, चलो बेबी, शादी कर लेते हैं।

एमी ने इसके साथ ही अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने लिखा, इटली, हम आ रहे हैं। बीते दिनों एमी ने प्राइवेट जेट में बैचलर पार्टी की थी। उनके मंगेतर एड वेस्टविक बेहद मशहूर टीवी शो गॉसिप गर्ल में चक बास के रोल के लिए काफी मशहूर हैं। दोनों ने इसी साल जनवरी में सगाई की थी। एड वेस्टविक ने इस साल जनवरी में स्विट्जरलैंड के गस्टाड में एमी जैक्सन को प्रपोज किया था। इस खूबसूरत पल की तस्वीरें काफी वायरल हुई थीं। तब कैप्शन में रिंग इमोजी के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए एमी ने लिखा, यकीनन हां। जबकि एड वेस्टविक ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, मैंने जैकपॉट मारा है।

एमी जैक्सन की एक बार पहले भी सगाई हो चुकी है। वह पहले बिजनसमैन जॉर्ज पानायियोटौ को डेट करती थीं। दोनों ने सगाई की। उनका एक बेटा एंड्रियास भी पैदा हुआ। लेकिन शादी से पहले यह रिश्ता टूट गया। एमी जैक्सन फिल्मों से ज्यादा अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में रही हैं। 2011 में उन्हें फिल्म एक दीवाना था के सेट पर प्रतीक बब्बर से हुआ। लेकिन 2012 में दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद वह तीन साल मुंबई छोड़ लंदन चली गईं। एमी जैक्सन ने साल 2010 में तमिल फिल्म मद्रासपट्टिनम से एक्टिंग की शुरुआत की थी। उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म प्रतीक बब्बर के साथ एक दीवाना था थी, जो 2012 में रिलीज हुई।

कहानी को और गहरा बनाता है तनाव 2 में मेरा किरदार

स्ट्रीमिंग शो 'तनाव' सीजन 2 में दिखाई देने वाले अभिनेता सत्यदीप मिश्रा ने कहा कि उनकी भूमिका शो की कहानी को और भी गहरा करती है और साथ ही इसे आगे बढ़ाने में मदद करती है। तनाव' इजरायली सीरीज 'फौदा' का भारतीय रूपांतरण है। कश्मीर में सेट की गई एक एक्शन से भरपूर कहानी में बहादुरी, धोखे, लालच, प्यार और बदले की कहानियों को दिखाया गया है। दूसरे सीजन में स्पेशल टास्क ग्रुप (एसटीजी) को एक नए खतरे का सामना करना पड़ता है, जब अल-दमिश्क नामक एक प्रतिशोधी युवक घाटी में आता है। शो में अपनी भूमिका के बारे में सत्यदीप ने आईएएनएस को बताया, यह सीजन पहले सीजन को आगे लेकर जाता है, जो शो को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाता है। हर एपिसोड दर्शकों को रोमांचित करेगा, जिसमें हर तरफ ट्विस्ट और सरप्राइज हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्पेशल टास्क ग्रुप का हिस्सा होने से उनके किरदार को एक स्थायी प्रभाव छोड़ने का एक अनूठा अवसर मिला है, चाहे वह देश की रक्षा करने या जान बचाने के बारे में हो।

उन्होंने कहा, यह भूमिका न केवल उनके लिए एक अभिनेता के रूप में चुनौती है, बल्कि यह इसकी कहानी को भी खास गहराई देती है। कोविड-19 महामारी से पहले की पृष्ठभूमि की कहानी पर आधारित यह शो एक सामाजिक-राजनीतिक ड्रामा है, जो घाटी में राज्य द्वारा संचालित स्पेशल टास्क ग्रुप और पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के बीच संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमता है। शो के पहले सीजन में इसमें हरकत-उल-मुजाहिदीन, जमात-ए-इस्लामी कश्मीर जैसे आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों और एसटीजी द्वारा उनका मुकाबला करने के तरीके को दिखाया गया था। अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित तनाव का निर्देशन पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता सुधीर मिश्रा और ई. निवास ने किया है। शो में मानव विज, गौरव अरोड़ा, अरबाज खान, रजत कपूर, सुखमणि सदाना, साहिबा बाली, अर्सलान गोनी, अमित गौर, एकता कौल और वलूशा देसूसा जैसे कलाकारों की टोली शामिल है। तनाव 2 सोनी लिव पर 6 सितंबर को रिलीज होगी।

भावनाओं का एटम बम होगी गदर 3

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल गदर फैंचाइजी की अगली किस्त में तीसरी बार तारा सिंह का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं। गदर 2 की सफलता के बाद दर्शक गदर 3 देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। अब फिल्म के निर्देशक अनिल शर्मा ने फिल्म से जुड़ी बड़ी अपडेट दी है। उन्होंने हाल ही में एक बातचीत में सनी देओल स्टारर गदर फैंचाइजी के अगले सीक्वल को भावनाओं का परमाणु बम बताया है।

गदर 3 पर शुरू हो चुका है काम

अनिल शर्मा ने एक बातचीत में फिल्म के बारे में बात करते हुए खुलासा किया कि उन्होंने गदर 3 पर काम शुरू कर दिया है। इसके साथ ही सनी देओल की तारा सिंह के रूप में वापसी की पुष्टि की है। निर्देशक ने कहा, हमने गदर 3 पर काम करना शुरू कर दिया है। फिल्म से जुड़ी जब हर चीज हो जाएगी, तब हम इसे साझा करेंगे, अभी कुछ समय है। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म गदर 2 को बनने में 20 साल लग गए। निर्देशक अनिल शर्मा ने आगे फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि अगला भाग पहले की रिलीज की तुलना में बड़ा और बेहतर भावनात्मक पहलू वाला हो। उन्होंने कहा, गदर 3 तब आएगी जब स्क्रिप्ट पूरी हो जाएगी और मुझे लगता है कि यह सिर्फ भावनाओं का बम नहीं बल्कि भावनाओं का एटम बम है। इसके साथ ही उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि कहानियों का सिलसिला जारी रहना चाहिए। मैं कहानी का सिलसिला जारी रखना चाहता हूं।

व्हाइट-बॉल सीरीज के समापन के बाद भारतीय टीम लंबे ब्रेक पर

नई दिल्ली(एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के समापन के बाद भारतीय टीम लंबे ब्रेक पर है। श्रीलंका के खिलाफ भारत के आखिरी वनडे मैच और बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के बीच 42 दिन का अंतर है। थोड़े ब्रेक का आनंद लेने के बाद स्टार भारतीय खिलाड़ी कुछ गंभीर काम पर वापस लौटने का लक्ष्य रखेंगे।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाडी केएल राहुल आगामी दुलीप ट्रॉफी और घरेलू टेस्ट सीजन की तैयारी के लिए नेट पर वापस आ गए हैं। क्रिकेटर अपने बल्लेबाजी और गेंदबाजी कौशल को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े घरेलू सीजन के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। केएल राहुल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें उन्हें बल्लेबाजी अभ्यास करते देखा गया। यह संभव है कि राहुल बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हों। वीडियो में राहुल ने एक लॉफ्टेड स्ट्रेट ड्राइव खेला, जिससे दर्शक उनकी क्लास देखकर दंग रह गए। राहुल ने इस साल बहुत अधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है क्योंकि वह पहले टेस्ट मैच के बाद इंग्लैंड सीरीज से बाहर हो गए थे। वह अपनी क्वाड्रिसेप्स टेंडन चोट के लिए विशेषज्ञ से परामर्श लेने के लिए लंदन भी गए, जिसके कारण वह श्रृंखला के बाकी मैच नहीं खेल पाए। वह आईपीएल 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए लौटे और 14 मैचों में 136.13 के स्ट्राइक-रेट से 4 अर्द्धशतकों के साथ 520 रन बनाने में सफल रहे।

रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने के लिए टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में राहुल को शामिल नहीं किया। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान राहुल भारतीय टीम में लौटे। केएल राहुल का फॉर्म उनके घरेलू सत्र में भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने केवल पहले 2 मैच खेले और 31, 0 के स्कोर दर्ज किए और तीसरे वनडे में उनकी जगह ऋषभ पंत को शामिल किया गया। दुलीप ट्रॉफी में राहुल शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम ए का हिस्सा हैं जो 5 सितंबर से बेंगलुरु में अपने पहले मैच में टीम बी का सामना करेगी।

ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब पर नोवाक जोकोविच की निगाह

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उत्साह से भरे नोवाक जोकोविच सोमवार से यहां शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए कोर्ट पर उतरेंगे। जोकोविच ने पेरिस में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता। उनके नाम पर 24 ग्रैंड स्लैम सहित कुल 99 खिताब दर्ज हैं और वह यहां अपने खिताबों का शतक पूरा करने का प्रयास करेंगे।

इसके अलावा सबसे अधिक सप्ताह तक विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बने रहने का रिकॉर्ड भी जोकोविच के नाम पर है। जोकोविच ने कहा, 'लोग मुझसे पूछते हैं कि अब तो आपने स्वर्ण पदक भी जीत लिया है तो फिर अब हासिल करने के लिए क्या बचा है लेकिन मेरे अंदर अब भी प्रतिस्पर्धा करने की भावना है। मैं आगे भी इतिहास बनाना चाहता हूं और अपने करियर के इस दौर का पूरा आनंद लेना चाहता हूं।'

सर्बिया के इस 37 वर्षीय खिलाड़ी का अमेरिकी ओपन के पहले दौर में सामना मोल्दोवा के 138वीं रैंकिंग वाले राडू अल्बोट से होगा। अमेरिकी ओपन में रोजर फेडरर के बाद कोई भी खिलाड़ी लगातार टूर्नामेंट नहीं जीत पाया है और अब जोकोविच के पास यह मौका है। फेडरर ने 2004 से लेकर 2008 तक लगातार पांच खिताब जीते थे। जोकोविच को इस बार दूसरी वरीयता दी गई है। जोकोविच को स्पेन के 21 वर्षीय कार्लोस अल्कराज से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है, लेकिन वह अमेरिकी ओपन में अपना पांचवा खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पहली टेस्ट जीत विशेष, बांग्लादेश के कप्तान हसन शंटो ने दिया बयान

रावलपिंडी (एजेंसी)। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो ने रविवार को पाकिस्तान पर अपनी टीम की पहली टेस्ट जीत को देश की मौजूदा परिस्थितियों में 'विशेष' करार दिया। पाकिस्तान पर 10 विकेट की जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में शंटो ने कहा, 'यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण जीत है क्योंकि पिछले महीने बांग्लादेश में हमारे लिए परिस्थितियां कठिन थी। वहां अब भी कुछ समस्याएं हैं, लेकिन बांग्लादेश में हम एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और मुझे खुशी है कि इस जीत से उनके चेहरे पर थोड़ी मुस्कान आई है।'

उन्होंने कहा, 'हम अपने प्रदर्शन से खुश हैं और हम दूसरे मैच में भी अपने लोगों को और अधिक खुशी देना चाहते हैं। यह हमारे लिए विशेष जीत थी, विशेषकर यह देखते हुए कि हमने यहां की गर्म परिस्थितियों और पिच के साथ कैसे तालमेल बिठाया।' शंटो ने कहा कि उन्हें अंतिम दिन मैच जीतने का भरोसा था क्योंकि पिच पर खेलना मुश्किल होता जा रहा था और उनकी टीम के पास कुछ अनुभवी स्पिनर और अच्छे तेज गेंदबाज थे।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शाकिब और मिराज ने आज परिस्थितियों को देखते हुए बहुत अच्छी गेंदबाजी की और हम जानते थे कि 90 रन की बढ़त के साथ पाकिस्तान अंतिम दिन दबाव में होगा।'

आपकी खेल भावना और विशेष मुस्कान की कमी खलेगी, धवन के संन्यास पर बोले कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने लंबे समय तक अपने साथी रहे शिखर धवन को भारत के सबसे भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों में से एक करार दिया और कहा कि उनके उत्साह, खेल भावना और विशिष्ट मुस्कान की कमी खलेगी लेकिन उनकी विरासत हमेशा बनी रहेगी।

शीर्ष क्रम के प्रमुख बल्लेबाज धवन ने शनिवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। कोहली ने एक्स पर लिखा, 'शिखर, आपके पदार्पण पर साहसिक प्रदर्शन से लेकर भारत के सबसे भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों में से एक बनने तक, आपने हमें अनगिनत यादें दी हैं। खेल के प्रति आपके जुनून, आपकी खेल भावना और आपकी ट्रेडमार्क मुस्कान की कमी खलेगी लेकिन आपकी विरासत हमेशा बनी रहेगी।'

सचिन ने मुंबई हाफ मैराथन को रवाना किया

मुंबई ।महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने रविवार को यहां हुई मुंबई हाफ मैराथन के प्रतियोगियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।सचिन ने प्रतियोगिता के स्तर और उसके आगे बढ़ने पर खुशी जताते हुए कहा, यहां का माहौल बहुत ऊर्जावान और उत्साहवर्धक है। इसमें इस बार 20,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे। पिछले साल की तुलना में इस बार महिला प्रतिभागियों की तादाद में 10 फीसदी की बढ़त आई है। उन्होंने कहा, इस बार दृष्टिबाधित प्रतिभागी भी शामिल हुए।प्रतियोगियों में 1000 से अधिक स्कूली बच्चे भी शामिल हुए।इसे लिए भी एक दौड़ आयोजित की गयी थी।सचिन के हरी झंडी दिखाने से प्रतियोगी बेहद उत्साहित नजर आये।सचिन खेल से संन्यास के बाद से ही सभी प्रकार के खेलों को आगे बढ़ने में योगदान दे रहे हैं।उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन हैं।उन्होंने 664 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 34,357 रन और 100 शतक बनाए हैं।

धवन को शुभमन सहित युवाओं के आने से अंदाज हो गया था कि अब वापसी संभव नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने शनिवार को खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी। धवन पिछले दो साल से टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से अपना अंतिम मैच पिछले साल 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर चल रहे थे। पिछले कुछ समय में जिस प्रकार शुभमन गिल सहित, यशस्वी जायसवाल, ईशान किशन सहित युवा खिलाड़ियों ने टीम में अपनी जगह पक्की की है। उससे धवन को अंदाज हो गया था कि अब वह वापसी नहीं कर पायेंगे।

धवन के टीम इंडिया से बाहर होने के बाद ही शुभमन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर अवसर मिला। शुभमन ने भी अवसर का भरपूर लाभ उठाते हुए अपने प्रदर्शन से टीम में जगह पक्की कर ली। वहीं ईशान किशन को उनके विकल्प के तौर पर रखा गया था। एकदिवसीय विश्व 2023 में भी रोहित के साथ गिल और ईशान ने पारी की शुरुआत की थी। रोहित के टीम में नहीं होने पर भी युवा बल्लेबाजों ने आसानी से उनकी जिम्मेदारी संभाल ली। ऐसे में धवन के लिए वापसी की कोई संभावना नहीं थी। कप्तान रोहित शर्मा और टीम प्रबंधन भी भविष्य को देखते हुए टीम चयनित कर रहे थे। जिससे धवन को संकेत मिल गये थे कि अब वह टीम प्रबंधन की योजनाओं में शामिल नहीं हैं। यशस्वी ने टी20 में जबरदस्त प्रदर्शन किया हालांकि उन्हें एकदिवसीय में अवसर नहीं मिला है। इसके अलावा साई सुदर्शन, अभिषेक शर्मा और रुतुराज गायकवाड़ जैसे सलामी बल्लेबाज भी रेस में हैं। इससे धवन की वापसी की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो गई थी। धवन को टेस्ट में भारत के लिए अंतिम मैच खेलने का मौका 2018 में मिला था।

सचिन, धोनी ओर विराट से मिलना चाहती हैं मनु

चंडीगढ़ ।भारतीय महिला निशानेबाज मनु भाकर की इच्छा भारतीय टीम के महान क्रिकेटरों सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली से मुलाकात करना है।मनु ने कहा है कि वह सचिन , धोनी और विराट के साथ एक दिन का समय बिताना चाहेगी।मनु इन तीनों के अलावा जमैका के दिग्गज एथलीट उसेन बोल्ट से भी मिलना चाहती है।मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीते थे। वह एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की पहली खिलाड़ी हैं।मनु ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा , मैं अपने कुछ पसंदीदा खिलाड़ियों से मिलना चाहूंगी।उसेन बोल्ट उनमें से एक हैं।मैंने उनकी किताब कई बार पढ़ी है और मैं उनके खेल सफर को भी जानती हूं।मैंने उनके कई साक्षात्कार देखे हैं।इसके बाद मैं भारतीय क्रिकेटरों में सचिन , धोनी और विराट से मिलना पसंद करूंगी।इनमें से किसी के साथ भी एक घंटा बिताना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात होगी।मनु ने पेरिस ओलंपिक की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।इसके बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर इसी इवेंट की मिश्रित टीम स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया था।इसी के साथ मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं।

जो रूट टेस्ट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले इंग्लिश क्रिकेटर बने, अब तेंदुलकर के रिकॉर्ड पर नजर

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच जीतने के बाद टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले इंग्लिश खिलाड़ी बन गए हैं। जब इंग्लैंड का स्कोर 56/2 था तो रूट ने 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी क्लास, संयम और क्लच गेम का प्रदर्शन करते हुए 128 गेंदों में दो चौकों की मदद से नाबाद 62 रन बनाए। इससे पहले उन्होंने पहली पारी में 42 रन बनाए थे।

अब रूट के इंग्लैंड के लिए 64 अर्धशतक हो गए हैं जो उनकी टीम के किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा और कुल मिलाकर तीसरे सबसे ज्यादा हैं। वे सबसे ज्यादा टेस्ट अर्धशतकों की सूची में वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल (66 अर्धशतक) और भारतीय आइकन सचिन तेंदुलकर (68 अर्धशतक) से पीछे हैं।

यह रूट का चौथी पारी में 10वां पचास से अधिक का स्कोर भी था, जो खेल के इस चरण पर उनकी अपार महारत और नियंत्रण को दर्शाता है। उनसे आगे माइकल एथरटन, एलिस्टेयर कुक जैसे महान खिलाड़ी हैं जिन्होंने चौथी पारी में 11-11 अर्धशतक बनाए हैं। यह मैनचेस्टर में रूट का आठवां पचास से अधिक का स्कोर भी था जिससे वह टेस्ट क्रिकेट में इस स्थान पर सबसे अधिक पचास से अधिक स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए।

युवा शटलर तन्वी पत्री ने जीता एशियाई अंडर-15 का खिताब

नई दिल्ली ।भारतीय खिलाड़ी तन्वी पत्री ने चीन के चेंग्दू में रविवार को खेले गए फाइनल में वियतनाम की थि थू हुयेन गुयेन को सीधे गेम में हराकर बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप में अंडर-15 वर्ग में लड़कियों का एकल खिताब जीता।शीर्ष वरीयता प्राप्त 13 वर्षीय तन्वी ने 34 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में अपनी दूसरी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी पर 22-20 21-11 से जीत हासिल की।तन्वी इस जीत से सामिया इमाद फारूकी और तस्नीम मीर की सूची में शामिल हो गईं, जिन्होंने क्रमश: 2017 और 2019 में अंडर-15 लड़कियों का एकल खिताब जीता था।तन्वी ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा और उन्होंने जो पांच मैच खेले उनमें एक भी गेम नहीं हारा।फाइनल के पहले गेम में तन्वी एक समय 11-17 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद वियतनाम की खिलाड़ी ने कई गलतियां की जिसका फायदा उठाकर भारतीय खिलाड़ी पहला गेम अपने नाम पर करने में सफल रही।तन्वी ने दूसरे गेम में अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया और मैच जीत कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।इस तरह से भारत ने इस प्रतियोगिता में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता।ज्ञान दत्तू टीटी ने शनिवार को अंडर-17 वर्ग में लड़कों की एकल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान, इसे मिली कप्तानी

लाहौर (एजेंसी)। तेज गेंदबाज फातिमा सना को आगामी महिला टी-20 विश्वकप के लिए पाकिस्तान की टीम का कप्तान बनाया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 विश्वकप 2024 के लिए तेज गेंदबाज फातिमा सना को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान नियुक्त किया है। उन्हें निदा डार की जगह कप्तान बनाया गया है।

22 वर्षीय फातिमा के लिए यह पहला अवसर होगा जब वह किसी भी आईसीसी स्पर्धा इवेंट में पाकिस्तान की कप्तानी करेंगी। उन्होंने पहले दो बार एकदिवसीय पाकिस्तानी टीम का नेतृत्व किया है। इस मुकाबले में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड पर जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय चयन समिति के द्वारा कप्तानी में किए गए इस बदलाव के अलावा पाकिस्तान की टीम पहले की जैसी ही है।

पिछले महीने उनकी जो टीम महिला टी-20 एशिया कप कि लिए गई थी, उसमें बस एक बदलाव किया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज नाजिहा अल्वी की जगह बल्लेबाज सदफ शमास को टीम में शामिल किया गया है। सदाफ वर्ष 2023 के महिला टी-20 विश्वकप में भी टीम का हिस्सा थीं। उल्लेखनीय है कि महिला टी-20 विश्वकप तीन अक्तूबर से शुरू होगा। पाकिस्तान ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के साथ है। बंगलादेश में राजनीतक अस्थिरता के कारण टूर्नामेंट को संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित कर दिया गया है लेकिन अभी तक टूर्नामेंट के संशोधित कार्यक्रम की घोषणा नहीं की गई है।

महिला टी-20 विश्वकप के लिए पाकिस्तान की टीम इस प्रकार है

फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, गुल फिरोजा, इराम जावेद, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नश्रा संधू, निदा डार, ओमाइमा सोहेल, सदफ शमास, सादिया इकबाल (फिटनेस के आधार पर), सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह, तस्मीया रबाब और तूबा हसन।

मैंच में दिखाई दिया बेन स्टोक्स का हमशक्ल

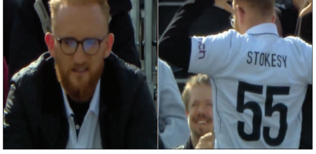

नई दिल्ली ।मैनचेस्टर में चल रहे इंग्लैंड बनाम श्रीलंका के पहले टेस्ट में बेन स्टोक्स के हमशक्ल की खूब चर्चा हो रही है।स्टोक्स चोटिल हैं, इस कारण टेस्ट के दौरान इंग्लैंड क्रिकेट टीम की कप्तानी ओली पोप कर रहे हैं।टेस्ट के तीसरे दिन प्रशंसकों को स्टोक्स का हमशक्ल स्टैंड में दिखाई दिया।उक्त हमशक्ल को देखकर फैंस भी खूब हैरान थे। वहीं, स्टैंड में ही बैठे बेन स्टोक्स द्वारा अपने हमशक्ल को किया इशारा भी दर्शकों का ध्यान खींचने में सफल रहा। स्टोक्स जैसा दिखने वाला यह खिलाड़ी पहली बार पिछले महीने नॉटिंघम में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे टेस्ट के दौरान भी सुर्खियों में आया था। इंग्लैंड बनाम श्रीलंका पहले टेस्ट में वह आया, कैमरे की नजर हमशक्ल पर पड़ी।उक्त फैंस ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम की टेस्ट जर्सी पहनी हुई थी। हमशक्ल ने अपनी टेस्ट जर्सी दिखाई जिसप नंबर 55 और स्टोक्सी लिखा था।इसके बाद चारों ओर खुशी और मुस्कुराहट छा गई।

पैरालंपिक: अवनी अब पेरिस खेलों में भी अपने कारनामें दोहराने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 11 साल की उम्र में कार दुर्घटना के कारण कमर के नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त होने के बाद व्हीलचेयर की मदद से चलने वाली पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता अवनी लेखरा अपने माता-पिता की शुक्रगुजार हैं जिनकी सलाह पर उन्होंने निशानेबाजी में हाथ आजमाना शुरू कर दिया है। अवनी तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में एसएच1 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने के बाद देश की सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाली पैरा खिलाड़ी बनी थी।

उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक में दस मीटर एयर राइफल में स्वर्ण और 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक जीता था। पैरालंपिक निशानेबाजी स्पर्धा में देश की पहली स्वर्ण पदक विजेता अवनी अब पेरिस खेलों में अपने कारनामों को दोहराने के लिए तैयार है। अवनी अपने परिवार के कहने पर खेलों से जुड़ी और निशानेबाजी ने उन्हें दुर्घटना से मिले आघात से उबरने में मदद किया। अवनी ने तीरंदाजी में अपना हाथ आजमाने के बाद 2015 में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान जयपुर के केंद्रीय विद्यालय नंबर तीन में निशानेबाजी का अभ्यास शुरू किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। अवनी ने एक साक्षात्कार में कहा कि दुर्घटना से पहले मैं किसी भी खेल में नहीं थी और उसके बाद भी मैं किसी भी खेल से जुड़ने के बारे में बिल्कुल नहीं सोच रही थी। लेकिन मेरे माता-पिता हमेशा सोचते थे कि मुझे पढ़ाई के अलावा कुछ और भी करना चाहिए।

दुर्घटना के दो साल बाद मैं अपने स्कूल में वापस गई। उन्होंने कहा कि उनके पास क्षेत्रीय खेल और राष्ट्रीय खेल का विकल्प था, इसलिए मेरे माता-पिता ने भी मुझे किसी खेल से जोड़ने के बारे में सोचा और फिर मैंने 2015 में अपनी गर्मियों की छुट्टियों के दौरान वहां तीरंदाजी और निशानेबाजी में हाथ आजमाया। उन्होंने कहा कि मुझे निशानेबाजी करना ज्यादा पसंद आया क्योंकि यह एक इनडोर गेम है, मैंने सोचा 'ठीक है, चलो शुरू करें। फिर मैंने प्रतिस्पर्धा करना शुरू कर दिया, इसे पसंद करने लगी उसके बाद चीजें आगे बढ़ती गईं।

अवनी ने कहा कि मैं प्रतियोगिता के दौरान चीजों को अभ्यास की तरह ही रखना पसंद करती हूं। अगर किसी मैच में कुछ होता है तो मैं प्रशिक्षण के दौरान इसे आजमाती हूं ताकि जब मैं किसी प्रतियोगिता में जाऊं तो मुझे कुछ नया महसूस ना हो। अवनी ने अपनी सफलता का श्रेय कोच चंद्र शेखर को भी दिया।

आखिर कब होगा उधना जोन में अवैध बिल्डींग का डिमोलिशन?

आशापूरी सोसायटी

सुरत भुमि, सूरत। साउथ जोन उधना के अधिकारियों द्वारा अवैध निर्माण को इस तरह बढ़ावा दिया जा रहा है की बिल्डर बेखौफ होकर मार्जिंग सी.ओ.पी. और कॉमन प्लॉटों में धड़ल्ले से अवैध निर्माण कर रहा है। बार-बार शिकायत करने पर भी अधिकारि कुंभकरण की नींद में सोए हो ऐसा प्रतीत हो रहा है, अब यह देखना है कि आशा पूरी सोसाइटी ग्वालक रोड पांडेसरा पुलिस कॉलोनी में और जुनी बमरोली के पुलिस कॉलोनी तेरे नाम चौकड़ी के शांतिवन नगर प्लांट 312/13/14 में और महादेव नगर में चल रहे अवैध बांधकाम पर कार्रवाई अधिकारियों द्वारा कब की जाती है? आखिर एक गरीब का मकान बनता है तो अधिकारी तुरंत उस निर्माण को तोड़ने के लिए पहुंच जाते हैं, क्योंकि वह निर्माण करने वाला पूंजीपति नहीं होता है गरीब होता है।

शांतिवन नगर, बमरोली

महादेव नगर, प्लॉट नं. 212/15

वन, पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल की अध्यक्षता में कामरेज में 75वें जिला स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन

सूरत । वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल की अध्यक्षता में वन विभाग, सूरत द्वारा कामरेज में 'एक पेड मां के नाम' अभियान की थीम पर 75वां जिला स्तरीय वन महोत्सव मनाया गया. . मंत्रियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न गांवों में पौधे वितरण हेतु वृक्ष रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री भारतीय विद्या मंडल, कामरेज द्वारा संचालित दलपत्रमा भवन में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर देशव्यापी अभियान 'एक पेड मां के नाम' की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण को बढ़ावा देना है. धरती माता को हरा-भरा बनाने और देश में 140 करोड़ पेड़ लगाने का आह्वान किया। दुनिया में 'मातृत्व', ममता और वात्सल्य सबसे पवित्र हैं, मां-बेटे के पवित्र रिश्ते को कायम रखने के लिए 'एक पेड़ मैं के नाम' अभियान के तहत गुजरात में साढ़े दस करोड़ पेड़ लगाए गए हैं।

आगे मंत्री ने कहा, मेघमेहर पिछले दो साल से राज्य में हैं. ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को कम करने और बारिश को आकर्षित करने में पेड़ कारगर साबित होंगे। जन्म से मृत्यु तक लकड़ी का उपयोग अपरिहार्य है। अब हम समाज में एक नई भावना पैदा करें कि हर नागरिक अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाए और उसके संरक्षण के लिए संकल्पित हो।

मंत्री ने सभी नागरिकों से जन भागीदारी के माध्यम से राज्य को हरा-भरा, स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के लिए 'एक पेड मां के नाम' अभियान में शामिल होने की अपील की।

इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक डॉ. के. शशिकुमार ने तापी नदी के किनारे स्थित सूरत सहित जिले में हर जगह पेड़ लगाने का अनुरोध किया और कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा और संवर्धन के लिए 'प्लास्टिक मुक्त' राज्य और देश बनाना आवश्यक है। दैनिक जीवन में कपड़े के थैलों का अधिक से अधिक उपयोग करने पर जोर दिया गया। मिशन जीवन अभियान ने कहा कि भूमिगत जल का दुरुपयोग न करें, पिछले पांच वर्षों में सूरत जिले में 20 लाख पेड़ उगे हैं, यह भविष्य में हरित क्रांति लाने में एक महत्वपूर्ण कारक होगा।

इस कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की च्मन की बातज् सुनी. साथ ही स्कूली बच्चों ने एक विशेष संदेश च्वृक्षनी वेदनाज् के साथ एक सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी। वन विभाग द्वारा हरसिद्धि वन की सुंदरता को प्रस्तुत करती हुई एक डाक्यूमेंट्री फिल्म को उपर्-स्थत सभी लोगों ने देखा। वन्यजीव बचावकर्ताओं और विशेष सेवाएं प्रदान करने वालों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मंत्रियों, गणमान्य व्यक्तियों ने एसआरपी कैम्प वाव में वृक्षारोपण किया।

इस समय जिले के अंतर्गत आने वाले डीसीपी, एससीपी योजना के तहत लाभार्थियों को कुल रु. 4 लाख सहायता चेक वितरित किये गये। स्कूली बच्चों ने पेड़ों के महत्व पर रोचक नाटक प्रस्तुत किया।

उप वन संरक्षक (सामाजिक वानिकी) आनंद कुमार, उप वन संरक्षक सचिन गुप्ता, पंचायत अध्यक्ष रेखाबेन पटेल, शिक्षा समिति के अध्यक्ष भारतीबेन राठौड़, सत्तारूढ़ दल के नेता रमेशभाई शिंतपा, प्रांतीय अधिकारी पिपलिया, वन अधिकारी, शिक्षक, स्कूली छात्र और अन्य किसान थे इस अवसर पर ग्रामीणजन, वृक्ष प्रेमी उपस्थित थे।

सूरत जिले के सभी तालुकाओं में 45 विभिन्न नर्सरियों में वितरण के लिए कुल 31.95 लाख पौधे तैयार किए गए: नर्सरी से वितरण शुरू हो गया है

सूरत।

सामाजिक वनीकरण विभाग, सूरत द्वारा जिले के सभी तालुकाओं में पौधों के वितरण के लिए, मुख्य रूप से नीलगिरि, बंगाली बबूल, सागौन, नीम, शोर, औषधीय, फलदार वृक्ष, तुलसी, फुलचोड़ आदि प्रजातियों की लगभग 45 नर्सरियाँ मिलीं। पौधों के वितरण हेतु कुल 31.95 लाख पौधे तैयार किये गये हैं। जिसका वितरण नर्सरियों से जारी है।

इस वर्ष सूरत सामाजिक वनीकरण विभाग द्वारा सूरत जिले में कुल 9 संरक्षित वन बनाए जा रहे हैं। बारडोली रेंज में 1 पवित्र उपवन का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही सूरत जिले में 5 फॉरेस्ट कॉटेज बनाए जा रहे हैं. जिले में सड़कों, नहरों, ग्राम गौचर भूमि तथा कृषकों की स्वामित्व वाली भूमि, शेढ़ा किनारे आदि में कुल 1164 हेक्टेयर में 8.43 लाख पौधों का रोपण कार्य प्रगति पर है।

वन विभाग द्वारा हरित वन पथ, पंचरत्न ग्रामवाटिका, अमृत सरोवर जैसी नई योजनाएँ शुरू की गई हैं।

एस डी पटेल अस्पताल में जनमंगल कल्याण सेवा चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। डिंडोली स्थित एंपोरिया बिजनेस हब में एस डी पटेल मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में जनमंगल कल्याण सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें फ्री बॉडी चेकअप भी रखा गया था। इस अवसर पर शहर के अलग-अलग विस्तरों से लोग उपस्थित होकर ब्लड डोनेट किया।

गुजरात चौरसिया समाज के आठवे वार्षिक सम्मेलन में उमडा भाईचारे का संदेश

सुरत भुमि, सूरत।

गुजरात चौरसिया समाज का आठवां महासम्मेलन डीन्डोली के एस एम सी कम्युनिटी हॉल मे आयोजित हुआ। सम्मेलन में गुजरात भारतीय तैलीक साहू राठौर महासभा के संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष तथा साहू तेली विकास ट्रस्ट के सदस्य डॉ, नारायण साहू, बिहार विकास परिषद के अध्यक्ष धर्मेश सिंह,छठ मानव ट्रस्ट के रुद्र नारायण तिवारी, भारत भारती, एवं बीजेपी वार्ड नंबर 8के युवा मोर्चा अध्यक्ष आदीत्य उपाध्याय, उत्तर भारतीय उत्थान समिति अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद गुप्ता प्रजापति समाज के भुपेंद्र प्रजापति समेत अन्य महानुभाव अतिथि विशेष के तौर पर उपस्थित थे। बता दें कि कार्यक्रम सफल बनाने के लिए गुजरात चौरसिया समाज के अध्यक्ष मनोज चौरसिया, कार्य कारी अध्यक्ष मुकेश चौरसिया ,वेडरोड प्रभारी अवध किशोर चौरसिया, महासचिव अजय चौरसिया, सलाहकार कृष्णा चौरसिया,तथा महिला पदाधिकारियों ने पिछले कई दिनों से अलग अलग शहरों में और सूरत के आसपास के क्षेत्र में जाकर समाज बंधुओं को सहपरीवार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बैठकों का दौर शुरू किया था। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम ने चौरसिया समाज के भाईचारे की मीसाल कायम की है।

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री कुँवरजीभाई हलपति की अध्यक्षता में मांडवी में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ 'लखपति दीदी सम्मान' कार्यक्रम आयोजित किया गया

सूरत।

जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री कुँवरजीभाई हलपति की अध्यक्षता में और सांसद श्री प्रभुभाई वसावा की उपस्थिति में, सभागार में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मांडवी हाई स्कूल के. जिसमें सूरत जिले के 280 स्वयं सहायता समूहों की बहनों को 2.76 करोड़ रुपये का लाभ और वार्षिक राशि रु. सूरत जिले के 1000 स्वयं सहायता समूहों की एक लाख से अधिक आयु वाली बहनों को लखपति दीदी के रूप में सम्मानित किया गया और प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

इस अवसर पर जनजातीय कार्य राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने महिलाओं को हर क्षेत्र में अग्रणी बनने का उचित अवसर प्रदान करके उनके सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया है। नमो श्री, नमो सरस्वती, नमो लक्ष्मी, वली धोती, सुकन्या समृद्धि, मुद्रा ऋण, जीवन बीमा, नमो ड्रोन दीदी और लखपति दीदी सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं महिलाओं और लड़कियों के पोषण, शिक्षा, व्यवसाय, सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए लागू की गई हैं। राज्य।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का संकल्प देश भर में माताओं और बहनों को आर्थिक रूप से समर्थन देने के लिए 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जबकि गुजरात में स्वयं सहायता समूहों में महिलाओं की अधिकतम संख्या रु। एक लाख से अधिक की होने और लखपति दीदी बनने के लिए लगातार प्रयासरत हूं।

मंत्री ने महिलाओं को हर क्षेत्र में दिये जा रहे प्रोत्साहन की जानकारी देते हुए कहा कि शिक्षित एवं सशक्त महिलाओं से परिवार, समाज एवं राष्ट्र की प्रगति होती है. उन्होंने महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने वाली योजनाओं की जानकारी दी और अधिक से अधिक महिलाओं से इनका लाभ उठाने का अनुरोध किया। इसके अलावा, मंत्री ने महिलाओं को एक समूह के रूप में आगे बढ़ने का सुझाव दिया। और उनसे विकसित गुजरात से विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में अपना अमूल्य योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर सांसद श्री प्रभुभाई वसावा ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक उत्थान, जीवन स्तर को ऊपर उठाने और उन्हें सक्षम बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह बनाकर उन्हें आजीविका गतिविधियों से जोड़ना मुख्य उद्देश्य है। आर्थिक रूप से व्यवहार्य. लखपति दीदी परिवार की प्रगति का आधार बनेंगी।

सैमसंग गैलेक्सी A55 5G, गैलेक्सी A35 5G सर्कल टू सर्च के साथ अब 25999 रुपये में उपलब्ध

गुरुग्राम । भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज गैलेक्सी A55 5G और गैलेक्सीA35 5G स्मार्टफोन्स की अभूतपूर्व कीमतों की घोषणा की है। गैलेक्सीA55 5G और गैलेक्सी A35 5A सैमसंग के मोबाइल में किये गये प्रमुख आविष्कारों का सबसे बेहतरीन नमूना पेश करते हैं। अब इनमें सर्कल टू सर्च विद गूगल, एक AI फीचर भी जोड़ दिया गया है।

सीमित अवधि की पेशकश के तहत, गैलेक्सी ए55 5जी 33999 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होगा, जबकि गैलेक्सी ए35 5जी 25999 रुपये के शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होगा।

गैलेक्सीA55 5G और गैलेक्सी A35 5G में कई खास विशेषताएं हैं जिनमें गोरिल्ला ग्लास विक्टस+, एआई द्वारा उन्नत कैमरा फीचर्स, सैमसंग नॉक्स वॉल्ट, चार ओएस अपग्रेड और पांच साल के सेफ्टी अपडेट शामिल हैं।

ग्राहक इन स्मार्टफोन को प्रमुख बैंकों के क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके खरीदने पर गैलेक्सी A55 5G पर 6000 रुपये और गैलेक्सी A35 5G पर 5000 रुपये का आकर्षक बैंक कैशबैक प्राप्त कर सकते हैं। वे छह महीने तक की ईएमआई का भी लाभ उठा सकते हैं।

ग्राहक गैलेक्सी A55 5G पर 6000 रुपये तक और गैलेक्सी A35 5G पर 5000 रुपये तक के अपग्रेड बोनस का भी आनंद ले सकते हैं। हालांकि, ग्राहक बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस में से किसी एक ही का लाभ उठा सकते हैं।

सर्कल टू सर्च

गैलेक्सी A55 5G और गैलेक्सी A35 5G सर्कल टू सर्च के साथ आते हैं, जो सर्च का एक ऐसा क्रांतिकारी अनुभव प्रदान करता है जो पारंपरिक सर्च के तरीकों से परे है। यह सुविधा – गूगल के साथ सहयोग का परिणाम है। इसकी उपयोगिता और सहजता को बढ़ाने के लिए इसमें लगातार विकास किया गया है। गैलेक्सी एआई की सबसे लोकप्रिय खीसियतों में से एक के रूप में, सर्कल टू सर्च उपयोगकर्ताओं को एक सरल इशारे से अपनी स्क्रीन पर कुछ भी खोजने की सुविधा देता है। इसके लिए उंगली से किसी टेक्स्ट के चारों ओर एक सर्कल बनाना या स्क्रीन पर किसी ऑब्जेक्ट पर स्क्रिबलिंग करना होता है। इसके लिए चालू ऐप को स्विच करने की आवश्यकता नहीं होती। उदाहरण के लिए, यदि उपयोगकर्ता सोशल मीडिया पोस्ट में किसी कपड़े के आइटम को पसंद करते हैं, तो वे सर्कल टू सर्च का उपयोग करके उसके चारों ओर एक सर्कल बनाकर तुरंत ऑनलाइन इस तरह का प्रोडक्ट खोज सकते हैं। सर्कल टू सर्च गैलेक्सी S24 सीरीज़ में भी एक स्टैंडआउट बन गया है। ये दैनिक कार्यों जैसे कि लैंडमार्क की पहचान करना, अनटैग किए गए आइटम की खरीदारी करना या किसी वीडियो के भीतर विवरण तलाशना जैसे कामों में मदद कर सकता है।

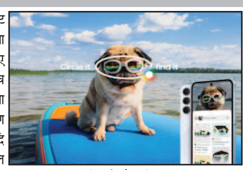

गैलेक्सी A55 5G और गैलेक्सी A35 5G कई शानदार फीचर्स के साथ आते हैं, जिसमें गैलेक्सी के फ्लैगशिप कैमरा इनोवेशन से प्रेरित फोटोग्राफी क्षमताएं और एक शानदार 6.6-इंच स्क्रीन डिस्प्ले शामिल है। यह विज़न बूस्टर के साथ उपयोगकर्ताओं के परिवेश के मुताबिक एडजस्ट हो जाता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)